INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-160 | सांध्य दैनिक | मथुरा, बुधवार, 5 अगस्त 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

बैंकों की सुस्ती से अटकी युवाओं की उड़ान, स्वरोजगार योजनाएं पिछड़ी

यूनिक समय, मथुरा। जिले में युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने की सरकारी योजनाओं की रफ्तार बैंकों की धीमी कार्यप्रणाली के कारण सुस्त दिख रही है। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान और मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत बड़ी संख्या में आवेदन बैंकों को भेजे जाने के बावजूद ऋण स्वीकृति की गति बेहद धीमी है। चालू वित्तीय वर्ष के चार माह बीत जाने के बाद भी लक्ष्य के मुकाबले ऋण वितरण का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं रहा है, जिससे अपना व्यवसाय शुरू करने की उम्मीद लगाए बैठे युवाओं को निराशा का सामना करना पड़ रहा है।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत उद्योग विभाग को इस वर्ष 2500 पत्रावलियां स्वीकृत कराने का लक्ष्य मिला है। विभाग ने लक्ष्य से अधिक सक्रियता दिखाते हुए अब तक 2834 आवेदन विभिन्न बैंकों को

चार माह में 2834 आवेदनों में केवल 426 को मिला ऋण

सीएम युवा स्वरोजगार योजना में 84 में सिर्फ सात आवेदन स्वीकृत

भेज दिए हैं, लेकिन बैंकों ने इनमें से केवल 426 पत्रावलियों पर ही ऋण स्वीकृत किया है। बड़ी संख्या में आवेदन अब भी लंबित पड़े हैं, जिससे योजना की प्रगति प्रभावित हो रही है। समय पर ऋण नहीं मिलने से कई युवा अपना उद्योग या स्वरोजगार शुरू नहीं कर पा रहे हैं।

इसी प्रकार मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना की स्थिति भी उत्साहजनक नहीं है। इस योजना के तहत जनपद को 225 आवेदनों का लक्ष्य मिला है। उद्योग केंद्र ने चार माह के दौरान 84 आवेदन तैयार कर विभिन्न बैंकों को भेजे, लेकिन इनमें से केवल सात मामलों में ही ऋण स्वीकृत हो सका। शेष आवेदन बैंक स्तर पर लंबित हैं, जिससे योजना का उद्देश्य अधूरा रह गया है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि यदि बैंक ऋण स्वीकृति की प्रक्रिया में तेजी लाते हैं तो जिले के हजारों युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिल सकते हैं। इससे न केवल स्वरोजगार को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी। फिलहाल युवाओं की निगाहें बैंकों की तेज होती कार्यप्रणाली और लंबित आवेदनों के शीघ्र निस्तारण पर टिकी हैं।

उपायुक्त उद्योग चंद्रभान सिंह के अनुसार, योजनाओं के प्रचार–प्रसार के कारण युवाओं में स्वरोजगार के प्रति रुचि बढ़ी है और लगातार आवेदन प्राप्त हो रहे हैं। हालांकि बैंक स्तर पर ऋण स्वीकृति की धीमी प्रक्रिया सुस्त है। विभाग की ओर से लंबित मामलों की नियमित समीक्षा कर बैंकों से शीघ्र निस्तारण का आग्रह किया जा रहा है।

चीनी की मिठास महंगी, तीन दिन में 300 रुपये प्रति क्विंटल बढ़े दाम

यूनिक समय, मथुरा। रसोई का जरूरी सामान मानी जाने वाली चीनी लगातार महंगी होती जा रही है। बीते महज तीन दिनों के भीतर थोक बाजार में चीनी के दाम 300 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ने से व्यापारियों और उपभोक्ताओं की चिंता बढ़ गई है। तेजी का असर अब फुटकर बाजार में भी दिखाई देने लगा है, जिससे आम परिवारों का मासिक बजट प्रभावित होने की आशंका है।

व्यापारियों के अनुसार, करीब एक माह पहले थोक बाजार में चीनी 4400 रुपये प्रति क्विंटल बिक रही थी। इसके बाद कीमतें बढ़कर 4700 रुपये प्रति क्विंटल हुईं और अब अचानक 5000

रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच गई हैं। लगातार बढ़ते दामों के कारण खुदरा बाजार में भी चीनी की कीमत 51 से 52 रुपये प्रति किलो तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है।

थोक कारोबारी बंशी गर्ग का कहना है कि इस वर्ष गन्ने की फसल अपेक्षा से कम होने और चीनी मिलों में उत्पादन

एक महीने में 4400 से बढ़कर 5000 रुपये प्रति क्विंटल पहुंचा थोक भाव

आपूर्ति घटने से फुटकर बाजार में 52 रुपये किलो तक पहुंच सकती है कीमत

प्रभावित रहने से बाजार में आपूर्ति घटी है। मांग के मुकाबले उपलब्धता कम होने के कारण कीमतों में लगातार तेजी बनी हुई है। वहीं, थोक व्यापारी शिव कुमार गोयल ने बताया कि मिलों से चीनी की आवक सीमित हो गई है। गन्ने का रकबा और उत्पादन घटने के कारण मिलों ने कोटा कम जारी किया है, बेस प्राइस भी बढ़ा दिए हैं। यही वजह है कि मात्र तीन दिनों में थोक भाव 300 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गए।

व्यापारियों का कहना है कि थोक कीमतों में वृद्धि के साथ परिवहन, पल्लेदारी और आढ़त जैसे अतिरिक्त खर्च जुड़ने से खुदरा विक्रेताओं के लिए पुराने दामों पर चीनी बेचना संभव नहीं होगा। यदि मिलों से जल्द पर्याप्त आपूर्ति शुरू नहीं हुई तो आने वाले दिनों में चीनी के दामों में और तेजी आ सकती है, जिसका सीधा असर आम उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ेगा।

अब नहीं हो सकेगा रजिस्ट्री में फर्जीवाड़ा

यूनिक समय मथुरा। सरकार ने जमीन और मकानों की होने वाली रजिस्ट्रियों के फर्जीवाड़े को रोकने के लिए पुराने रजिस्ट्री कानून में बदलाव किया गया हैं। रजिस्ट्री करने से पहले अब विक्रेता को मालिकाना हक के सभी अधिकार दिखाने होंगे । इसके बाद ही रजिस्ट्री हो सकेगी। इससे पहले इस तरह की व्यवस्था नहीं थी।

प्रदेश सराकर ने रजिस्ट्री कार्यालयों में जमीन और अन्य रजिस्ट्रेशन के मामले में होने वाले फर्जीवाड़े को रोकने के लिए बिल पास कर नया कानून बनाए हैं। फर्जी तरीके से एक जमीन को कई–कई लोगों को बिक्री करने वालों पर अंकुश लगाने के लिए अब जमीन की बिक्री करने वाले को रजिस्ट्री करने से पहले जमीन की रजिस्ट्री, खाते, खतोनी में मालिक होने के साथ–साथ सारी पुख्ता जानकारी देनी

रजिस्ट्री करने से पहले होगी मालिक के मालिकाना हक की जांच

होगी। अगर विक्रेता द्वारा मालिक के रुप दी जाने वाली जानकारी सही नहीं है तो रजिस्ट्रार उसकी रजिस्ट्री को रोक देगा। पहले इस तरह का कोई नियम नहीं था कि रजिस्ट्री करने वाला उसका मालिक है अथवा नहीं, पहले केवल जमीन की मालियत और सर्किल रेट पर ही रजिस्ट्री करने के दौरान रजिस्ट्रार का फोकस रहता था। इसके चलते जीमीनों को लेकर काफी सारे विवाद न्यायालय तक पहुंचते थे। अब आने वाले इस नए कानून के बाद इस तरह के मामलों में कमी आएगी। कानून के लागू होने पर रजिस्ट्री के लिए रजिस्ट्रार को भी अब जिम्मेदार बनाया गया है।

एमवीडीए ने सड़क, ड्रेन और विद्युत पोल कराए ध्वस्त

आदेश की अवहेलना पर एमबीडीए की बड़ी कार्रवाई

दो अनाधिकृत कॉलोनियों में चला ध्वस्तीकरण अभियान

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण ने न्यायालय के

ध्वस्तीकरण आदेशों का पालन कराते हुए बुधवार को दो अनाधिकृत कॉलोनियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम ने दोनों कॉलोनियों में विकसित सड़क, ड्रेन और विद्युत पोल को ध्वस्त कर दिया। अधिकारियों ने चेतावनी देते हुए कहा कि जिले में अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

प्राधिकरण के अनुसार, सुंदर मेहरा द्वारा दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल के सामने, कोटवन–कोसी राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित क्षेत्र में करीब 10,000 वर्गमीटर भूमि का अवैध रूप से उपविभाजन कर जीएसबी सड़क बनाकर कॉलोनी विकसित की जा रही थी। सुनवाई के बाद 13 मार्च 2026 को ध्वस्तीकरण के आदेश जारी किए गए थे। वहीं श्याम लाल द्वारा नंदगांव रोड पर जांव गांव के सामने लगभग 4,500 वर्गमीटर भूमि पर सड़क और विद्युत पोल लगाकर अनाधिकृत कॉलोनी विकसित की जा रही थी। प्राधिकरण ने बताया कि निर्धारित अवधि समाप्त होने के बावजूद दोनों विकासकर्ताओं ने अवैध निर्माण नहीं हटाए। उपाध्यक्ष के निर्देशन और सचिव के नेतृत्व में प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम ने मौके पर पहुंचकर दोनों कॉलोनियों में निर्मित सड़क, ड्रेन और विद्युत पोल सहित अन्य विकास कार्यों को ध्वस्त कर दिया।

हाथरस पालिका अध्यक्ष श्वेता चौधरी के वित्तीय–प्रशासनिक अधिकार सीज

यूनिक समय, हाथरस। नगर पालिका में डोर–टू–डोर कूड़ा कलेक्शन की टेंडर प्रक्रिया में वित्तीय और प्रक्रिया गत अनियमितताएं मिलने पर शासन ने बड़ी कार्रवाई की है। भाजपा की नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता चौधरी के वित्तीय और प्रशासनिक अधिकार तत्काल प्रभाव से सीज कर दिए गए हैं। नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव पी. गुरुप्रसाद की ओर से जारी आदेश के अनुसार अब पालिका अध्यक्ष के सभी वित्तीय और प्रशासनिक अधिकारों का निर्वहन डीएम हाथरस अथवा उनके द्वारा नामित डिप्टी कलेक्टर स्तर के अधिकारी करेंगे।

मामला नगर पालिका के 35 वार्डों में डोर–टू–डोर कूड़ा कलेक्शन के लिए निकाली गई निविदा प्रक्रिया से जुड़ा है। सभासद मनीष अग्रवाल और सुनील अग्निहोत्री ने टेंडर में धांधली और पालिका को आर्थिक नुकसान पहुंचाने की शिकायत डीएम से की थी। इसके बाद एसडीएम सदर और वरिष्ठ कोषाधिकारी की संयुक्त जांच समिति गठित की गई। जांच रिपोर्ट में टेंडर प्रक्रिया में कई गंभीर अनियमितताओं की पुष्टि हुई।

जांच में सामने आया कि जनरल फाइनेंशियल रूल्स–2017 का उल्लंघन करते हुए ई–टेंडरिंग के बजाय केवल स्थानीय समाचार पत्रों के माध्यम से निविदाएं आमंत्रित की गईं। तकनीकी मूल्यांकन किए बिना ही वित्तीय बिड खोली गई। वित्तीय मूल्यांकन चार्ट 14 अगस्त 2024 को तैयार किया गया, जबकि एल–1 फर्म मैसर्स ब्लैक इन्फ्राटेक को 12 अगस्त 2024 की पूर्व तिथि से ही स्वीकृति दे दी गई। इतना ही नहीं, आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध न होने के बावजूद फर्म को कार्यादेश जारी कर सितंबर 2024 के बिल के एवज में 22.45 लाख रुपये का भुगतान भी कर दिया गया।

शासन ने अध्यक्ष को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा था, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा–48(2) के तहत राज्यपाल की स्वीकृति से यह कार्रवाई की गई। आदेश जारी होने के बाद नगर पालिका में प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है।

GLA UNIVERSITY
Recognised by UGC Under Section 2(f) & 12B Status
Accredited with A+ Grade by NAAC
Mathura | Greater Noida
29 Years EDUCATIONAL EXCELLENCE
ADMISSIONS OPEN 2026-27
India's First University to Launch
Microsoft GenAI Campus
B.Tech. CSE with specialization in AIML
in collaboration with Microsoft
Powered by byteXL
PROGRAM OFFERINGS
Next-Gen AI Technologies | Microsoft Certifications | Career Launch Support
Industry Ready Curriculum | Emerging AI Domains | Industry Based Research
EXCLUSIVE MICROSOFT CERTIFICATIONS IN EVERY SEMESTER
Mathura Campus: 17km Stone, NH-44, Mathura -Delhi Road, P.O. Chaumuhan, Mathura-281406 (U.P.) India
Gr. Noida Campus: 15 A, Knowledge Park - II, Greater Noida - 201310 (U.P.) INDIA
EMPOWER YOUR GROWTH WITH GLA ONLINE | Find details at: online.gla.ac.in
+91-9027068068 | Visit us: www.gla.ac.in

संविदाकर्मी की मौत पर भड़का कर्मचारी संघ

मांगों को लेकर कैंट बिजली घर पर प्रदर्शन करते निविदा/संविदा कर्मचारी संघ के पदाधिकारी–सदस्य।

आठ दिन में कार्रवाई नहीं हुई तो कार्य बहिष्कार की चेतावनी

33 केवी लाइन पर काम ट्रांसफार्मर संचालन और 24 घंटे ड्यूटी कराने पर उठाए सवाल, प्रदर्शन

यूनिक समय, मथुरा। 33 केवी लाइन पर कार्य के दौरान संविदाकर्मी दीपक की मृत्यु के बाद उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन निविदा/संविदा कर्मचारी संघ ने बिजली विभाग के मुख्य अभियंता को पत्र भेजा है। कहा है कि आठ दिन के भीतर यदि मांगे नहीं मानी तो कार्य बहिष्कार किया जाएगा। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समय में उचित कार्रवाई नहीं हुई तो कर्मचारी कार्य बहिष्कार करने के लिए बाध्य होंगे, जिसकी जिम्मेदारी विभागीय अधिकारियों की होगी।

संघ का कहना है कि पहले भी कई बार पत्रों के माध्यम से विभाग को अवगत कराया गया था कि संविदा कर्मचारियों से उनके अनुबंध के विपरीत कार्य कराए जा रहे हैं। संगठन के अनुसार, 33 केवी और 11 केवी लाइनों पर कार्य, क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मर चढ़ाने–उतारने का काम और बिना ड्यूटी चार्ट के 12 से 24 घंटे तक लगातार ड्यूटी कराना संविदा कर्मचारियों के अनुबंध का हिस्सा नहीं है। पत्र में आरोप लगाया गया कि संगठन की ओर से बार–बार शिकायत किए जाने के बावजूद विभाग ने न तो संगठन पदाधिकारियों से वार्ता की और न ही किसी प्रकार की प्रभावी कार्रवाई की। इसी लापरवाही का परिणाम मंगलवार को राजीव भवन बिजलीघर क्षेत्र में सामने आया, जहां 33 केवी लाइन पर कार्य के दौरान संविदाकर्मी दीपक की दुर्घटना में मौत हो गई। संगठन ने इस घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करने, संविदा कर्मचारियों से अनुबंध के बाहर कार्य न कराने, ड्यूटी चार्ट लागू करने और कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने की मांग की है।

जिलाध्यक्ष रामकुमार कुंतल ने कहा कि संगठन हमेशा वार्ता के माध्यम से समस्याओं का समाधान चाहता है। उन्होंने विभाग से आठ दिन के भीतर सभी मांगों पर निर्णय लेकर संगठन को अवगत कराने की मांग की, अन्यथा कर्मचारी आंदोलन और कार्य बहिष्कार का निर्णय लेने के लिए विवश होंगे। इस दौरान संगठन के पदाधिकारी और सदस्य भी मौजूद रहे।

कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा, रोडवेज बसों की रफ्तार पर लगाम

यूनिक समय, मथुरा। श्रावण माह में कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए स्थानीय प्रशासन-पुलिस प्रशासन ने रोडवेज बसों की गति नियंत्रित रखने के निर्देश जारी किए हैं। 28 अगस्त तक कांवड़ मार्गों पर संचालित रोडवेज बसों की अधिकतम गति 40 से 45 किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित की गई है।

सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक कमल किशोर आर्य ने बताया कि सभी चालकों-परिचालकों को निर्धारित गति सीमा का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही या तेज गति से बस चलाना गंभीर अनुशासनहीनता माना जाएगा। यदि कोई चालक निर्धारित नियमों का उल्लंघन करते हुए बस चलाते हुए पाया गया, तो उसके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए अधिकारियों द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है, आवश्यकतानुसार बसों की जांच भी की जाएगी।

पति से हुई कहासुनी महिला ने लगाई फांसी

यूनिक समय, सुरीर। थाना महावन के गांव बंदी में पति से हुई मामूली कहासुनी में पत्नी ने फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

गांव बंदी निवासी नीरज घर पर पानी की टंकी लाया था। नीरज टंकी को नीचे लगाना चाहता था, लेकिन पत्नी शीतल उसे छत पर लगाना चाहती थी। इस छोटी सी बात को लेकर दोनों के बीच हुए विवाद में शीतल ने फांसी लगा कर आत्महत्या करली। शीतल द्वारा आत्महत्या किए जाने का पता लगने पर परिवार में हड़कंप मच गया। शीतल के मायके वालों को भी इस बारे में सूचना दी गई।

पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस बारे में थाना प्रभारी निरीक्षक महावन ने बताया कि शीतल के मायके वाले इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं करना चाहते हैं। दोनों परिवारों में फैसला हो रहा है।

जिले में अगले पांच दिन भारी बारिश का अलर्ट

गुरुवार को जोरदार वर्षा और आकाशीय गर्जना की संभावना

यूनिक समय, मथुरा। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने जिले में छह से 10 अगस्त तक बारिश का अलर्ट जारी किया है। पूर्वानुमान में कहा गया है कि जिले में गरज–चमक और तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। छह अगस्त को भारी वर्षा की चेतावनी जारी की गई है।

मौसम विभाग के अनुसार, अगले पांच दिनों में अधिकतम तापमान 28 से 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है, जो सामान्य से एक से दो डिग्री कम रहेगा। मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार के अनुसार, छह अगस्त को भारी वर्षा का अलर्ट जारी किया गया है।

इस दिन 12 मिमी बारिश की संभावना के बीच अधिकतम तापमान 28 और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री दर्ज किया जा सकता है। सात अगस्त को सबसे अधिक 18.0 मिमी और आठ अगस्त को 10.0 मिमी हल्की बारिश का अनुमान है। नौ अगस्त को 9.0 मिमी बारिश की संभावना जताई गई है। 10 अगस्त को हल्की और मध्यम बारिश की बात कही है। इस दौरान अधिकतम तापमान 32 और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री रहने के आसार हैं। किसानों को सलाह दी गई है कि धान को छोड़कर तिल, उड़द, मूंग के खेतों से जल निकासी की समुचित व्यवस्था करें।

मोमोज खाते समय हुई बाइक चोरी

यूनिक समय, सुरीर। सुरीर देवी मंदिर के समीप दुकान पर मोमोज खाने के दौरान चोरों ने युवक की बाइक चोरी कर ली। युवक को जब बाइक चोरी का पता लगा तो वहां हड़कंप मच गया। काफी प्रयास के बाद भी बाइक का पता नहीं लग सका। मुकेश कुमार रावत निवासी सुरीर बिजऊ थाना सुरीर ने पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि दो अगस्त की शाम करीब साढ़े आठ बजे वह सुरीर देवी मंदिर के पास अपनी बाइक को खड़ी करके दुकान पर मोमोज खाने गया था। जब वह कुछ देर बाद दुकान से बाहर निकला तो उसकी बाइक वहां से गायब थी। बाइक को आसपास काफी तलाश किया, लेकिन बाइक का कोई पता नहीं चला। इसके बाद उसने तत्काल 112 नंबर पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। थाना सुरीर में लिखित तहरीर देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

कंडक्टर बन एआरटीओ टीम ने दबोची डीसीएम, 1.11 लाख का जुर्माना

ईंटों से भरे वाहन पर परमिट, फिटनेस लाइसेंस और प्रदूषण प्रमाणपत्र भी नहीं मिला

चालक पहले फरार हुआ रणनीति बदलकर परिवहन विभाग ने वाहन किया सीज

यूनिक समय, शेरगढ़। परिवहन विभाग ने ओवरलोड वाहनों के खिलाफ अभियान के तहत क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए ईंटों से भरी एक ओवरलोड डीसीएम कैंटर को पकड़कर सीज कर दिया। जांच में वाहन पर ओवरलोडिंग समेत कई गंभीर नियम उल्लंघन पाए गए, जिसके

थाने में बंद ओवरलोड डीसीएम।

बाद परिवहन विभाग ने कुल 1 लाख 11 हजार 386 रुपये का जुर्माना लगाया। कार्रवाई के बाद वाहन को थाना परिसर में सुपुर्दगी के लिए खड़ा करा दिया गया है।

एआरटीओ प्रर्वतन सतेन्द्र सिंह ने बताया कि वाहन को रोकने के लिए पहले टीम ने घेराबंदी की थी, लेकिन चालक जीपीएस के जरिए वाहन की लोकेशन बंद कर मौके से फरार हो गया। इसके बाद विभाग ने नई रणनीति अपनाई। एक कर्मचारी को रोडवेज बस के कंडक्टर के वेश में क्षेत्र में तैनात किया गया। जैसे ही चालक दोबारा वाहन लेकर निकला, टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया और वाहन को कब्जे में लेकर सीज कर दिया।

जांच के दौरान पाया गया कि डीसीएम ओवरलोड होने के साथ बिना वैध परमिट, बिना ड्राइविंग लाइसेंस, बिना फिटनेस प्रमाणपत्र और बिना प्रदूषण प्रमाणपत्र के संचालित की जा रही थी। इन सभी अनियमितताओं को देखते हुए नियमानुसार चालान करते हुए भारी जुर्माना लगाया गया।

एआरटीओ प्रर्वतन सतेन्द्र सिंह ने कहा कि सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए ओवरलोड और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। नियमों की अनदेखी करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एंबुलेंस ने लोडिंग टेंपो में मारी टक्कर टेंपो चालक सहित दो की मौत

भाड़े पर टेंपो से स्कूटी ले जा रहे थे जेवर

यूनिक समय, मथुरा। थाना राया क्षेत्र स्थित एक्सप्रेस वे के राया कट पर एक लोडिंग टेंपो को विपरीत दिशा से आती एंबुलेंस ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में चालक सहित दो लोगों की मौत हो गई।

आगरा के फ्रीगंज में रहने वाला युवक पवन(21) पुत्र कमल किशोर लोडिंग टेंपो चलाता था। बताया गया कि कल वह एक इलेक्ट्रोनिक स्कूटी का भाड़ा लेकर जेवर के लिए जा रहा था। उसके साथ प्रकाश कोल्ड स्टोर के पीछे टेढ़ी बगिया आगरा निवासी विवेक भी जा रहा था। आगरा से चलने के बाद टेंपो जैसे ही सांय को यमुना एक्सप्रेस वे के राया कट पर पहुंचा। इसी बीच सामने से तेजगति से आती एंबुलेंस ने टेंपो को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में एम्बुलेंस टेंपो पर चढ़ गई। दुर्घटना को देख रहे लोग दुर्घटनास्थल की ओर दौड़े। पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने टेंपो में फंसे दोनों युवकों को बाहर निकाला। उस समय तक पवन की मौत हो चुकी थी। विवेक को गंभीर हालत में अस्पताल में दाखिल कराया गया। पुलिस ने पवन के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया गया कि अस्पताल में विवेक की भी मौत हो गई। पुलिस ने उसके शव का भी पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दुर्घटना में हुई दोनों युवकों की मौत से परिवारों में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस ने दोनों ही परिवारों को इस दुखद घटना के बारे में सूचना कर दी है।

दबंगों ने घर में घुस कर की मारपीट

पड़ोसी को पीट-पीट कर कर दिया अधमरा

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर की कृष्णा बिहार कॉलोनी में पुरानी रंजिश को लेकर दबंगों ने घर में घुसकर एक व्यक्ति पर जानलेवा हमला कर दिया। हमलावरों ने लाठी-डंडे और सरिया से पीट कर उसे अधमरा कर दिया। इसके साथ ही जान से मारने की धमकी दी।

कृष्ण बिहार कॉलोनी निवासी चांद ने थाना में दी तहरीर में कहा है कि मंगलवार की रात पड़ोस में रहने वाले मुवीन और बाबू के बच्चों से उसके बच्चों का विवाद हो गया था। इसी बात को लेकर मुवीन और बाबू ने उसके मारपीट की थी।

सूचना पर डायल 112 के पहुंचने पर हमलावर वहां से भाग गए थे। चांद का कहना है कि बुधवार दोपहर फिर ये लोग 2-3 अज्ञात लोगों के साथ घर पर आए हमलावरों ने लाठी, सरिया आदि से उसके साथ मारपीट कर घायल कर दिया।

थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश कुमार ने बताया कि ऐसा कोई मामला उनके संज्ञान में नहीं है। अगर शिकायती पत्र मिलता है तो जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

पत्नी से की पति ने मारपीट, रिपोर्ट दर्ज

यूनिक समय, सुरीर। कस्बा में एक पति द्वारा पत्नी के साथ मारपीट का मामला प्रकाश में आया है। पत्नी ने मारपीट के मामले में पति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

सुरीर कलां में रहने वाले अजय सिंह की पत्नी कुमकुम ने दर्ज कराई रिपोर्ट में आरोप लगाया है कि उसकी शादी 8 जुलाई 208 को अजय से हुई थी। 29 जुलाई को समय करीब आठ बजे पति शराब पीकर घर आया और गाली-गलौज करने लगा। विरोध किया तो मेरे साथ मारपीट की। सुरीर पुलिस का कहना है कि तहरीर पर अजय सिंह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

शेरगढ़ में आदर्श पशु चिकित्सालय की मांग, विधायक को सौंपा ज्ञापन

बदहाल हाल में कृत्रिम गर्भाधान केंद्र।

यूनिक समय, शेरगढ़। कस्बा स्थित पशु चिकित्सालय का भवन जर्जर होने और बरसात में जलभराव की समस्या से परेशान स्थानीय लोगों ने आदर्श पशु चिकित्सालय के निर्माण की मांग उठाई है। पुराने भवन की बदहाल स्थिति के कारण परिसर में कूड़ा डाला जा रहा है, जबकि बारिश के दौरान पानी भरने से पशुपालकों और कर्मचारियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

इसी समस्या को लेकर स्थानीय पशु चिकित्सक डॉ. जयपाल और भाजपा जिला उपाध्यक्ष वीरचंद गुर्जर ने विधायक राजेश चौधरी से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में पुराने भवन के स्थान पर आधुनिक सुविधाओं से युक्त आदर्श पशु चिकित्सालय का निर्माण कराने की मांग की गई। उन्होंने कहा कि शेरगढ़ और आसपास के गांवों के बड़ी संख्या में पशुपालक इस चिकित्सालय पर निर्भर हैं। नया भवन बनने से पशुओं को बेहतर उपचार मिलेगा और पशुपालकों को भी सुविधाजनक चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। विधायक ने मांग पर सकारात्मक कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

एएनटीएफ टीम और हाईवे पुलिस ने पकड़े दो हैरोइन तस्कर

1172 ग्राम हैरोइन और स्कूटी बरामद

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे पुलिस और एनटी नारकोटिक्स टीम आगरा ने संयुक्त रुप से कार्रवाई करके स्कूटी से हैरोइन ले जाते दो युवकों को गिरफ्तार किया है। तलाशी में युवकों से 1172 ग्राम अवैध हैरोइन बरामद हुई है। दोनों युवक हैरोइन की तस्करी कर रहे थे।

एनटी नारकोटिक्स विभाग आगरा के सीओ उमेश पंवार को सूचना मिली की स्कूटी से दो युवक मादक पदार्थ हैरोइन की तस्करी से ले जा रहे हैं। इस जानकारी पर सीओ ने अपनी टीम को लेकर युवकों को गिरफ्तार करने के लिए निकल पड़े।

तस्कर उस समय तक मथुरा की सीमा में प्रवेश कर चुके थे। सीओ ने तुरंत मथुरा के सीओ रिफाइनरी प्रवीण कुमार तिवारी को इस बारे में सूचना दी। हाईवे पुलिस ने तुरंत अभियुक्तों को गिरफ्तार करने के लिए तैयारी की। एनटी नारकोटिक्स टीम और हाईवे टीम ने संयुक्त रुप से कार्रवाई करके स्कूटी से जा रहे तस्करों को पाली खेड़ा चौराहे से सलेमपुर पेट्रोल पंप के समीप घेर कर पकड़ लिया।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्तों में इमरान निवासी ऊपर कोट टीला, बोलीशाह मस्जिद के समीप थाना ऊपर कोट अलीगढ़ और शाहबाज निवासी ऊपर कोट टंकी वाली गली छोटी मस्जिद अलीगढ़ हैं। पुलिस को इनकी तलाशी में 1172 ग्राम हैरोइन बरामद हुई। पुलिस ने परिवहन में प्रयोग की जाने वाली स्कूटी को भी बरामद किया है।

महिला के साथ दुराचार करने वाला गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। शेरगढ़ पुलिस ने महिला के साथ दुराचार करने और उसके पुत्र को जानसे मारने की धमकी देने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, अभियुक्त देशराज उर्फ नहने निवासी जटवारी थाना शेरगढ़ ने एक अगस्त को प्राइवेट स्कूल में गेट को अंदर से बंद करने के बाद दुराचार किया। महिला के शोर करने पर उसके साथ मारपीट की। इसके साथ ही उसके सात साल के बेटे की हत्या करने की धमकी दी। महिला द्वारा लिखाए गए मुकदमे के आधार पर पुलिस ने अभियुक्त को जमुना पुल से गिरफ्तार किया।

किशोर ने लगाई फांसी परिवार में मचा कोहराम

यूनिक समय, कोसीकलां, मथुरा। नगर की एक कॉलोनी में बुधवार को एक किशोर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय घर में कोई नहीं था। सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस को बिना सूचना दिए ही परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

जानकारी के अनुसार, नगर की बठैन रोड स्थित एक कॉलोनी निवासी 14 वर्षीय किशोर बुधवार को घर पर अकेला था। बताया जाता है कि उस समय घर के अन्य सदस्य किसी काम से बाहर गए हुए थे। जब परिजन घर लौटे तो किशोर कमरे में फांसी के फंदे से लटका मिला। परिवारी उसे तुरंत नीचे उतारकर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अचानक हुई इस घटना से परिवार में मातम पसर गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बताया जा रहा है कि किशोर ने किन संगीन परिस्थितियों के चलते यह कदम उठाया, इसका अभी स्पष्ट कारण पता नहीं चल सका है। परिजनों ने बिना पुलिस को सूचना दिए और बिना पोस्टमार्टम कराए ही शव का अंतिम संस्कार कर दिया। थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी नहीं है। यदि परिजन तहरीर देते हैं तो मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

एसएसपी ने निर्माणाधीन गैस्ट हाउस का किया निरीक्षण

यूनिक समय, मथुरा। एसएसपी श्लोक कुमार ने रॉची बांगर में बन रहे निर्माणाधीन पुलिस गैस्ट हाउस का निरीक्षण किया। एसएसपी ने निर्माण एजेंसी को काम को तेजी से करने और सुरक्षा-गुणवत्ता और मानकों के अनुरूप काम को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।

गांजा रखने पर पांच माह की कैद

यूनिक समय, मथुरा। एसीजेएम द्वितीय ने अवैध गांजा रखने के आरोप में अभियुक्त को पांच माह के साधारण कारावास और 100 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। थाना रिफाइनरी पुलिस ने अभियुक्त अमर सिंह निवासी बेरी गढ़ी को अवैध गांजा रखने के आरोप में एनडीपीसी एक्ट में गिरफ्तार किया था। पुलिस ने उसके खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। मुकदमे की सुनवाई एसीजेएम द्वितीय के न्यायालय में हुई। एसीजेएम ने गवाहों की गवाही और पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर उक्त सजा से दंडित किया।

कारोबारियों का करिश्मा,शहर से गायब हुआ फुटपाथ

भरतपुर गेट फुटपाथ पर सजे लोहे के बक्से।

होलीगेट के फुटपाथ को कब्जाकर सजाई गई दुकानें।

कोतवाली रोड फुटपाथ पर सजा कपड़ों का शोरूम।

अतिक्रमण की भेंट चढ़ा फुटपाथ, राहगीर सड़क पर चलने को मजबूर

होली गेट से भरतपुर गेट तक दुकानों के कब्जे में पैदल मार्ग

यूनिक समय, मथुरा। पैदल चलने वालों की सुरक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में राज्यों को फुटपाथों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और उन पर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए हैं। इसके बावजूद शहर में हालात इसके बिल्कुल विपरीत हैं। शहर के सबसे व्यस्त मार्ग होली गेट से भरतपुर गेट तक फुटपाथ लगभग पूरी तरह अतिक्रमण की चपेट में है। दुकानदारों ने फुटपाथ पर सामान सजा रखा है, जिससे पैदल राहगीरों को सड़क पर चलना पड़ता है। इससे हर समय दुर्घटना का खतरा बना रहता है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि दिन के समय फुटपाथ दिखाई ही नहीं देता। दुकानें खुलते ही पूरा पैदल मार्ग व्यापारिक गतिविधियों में घिर जाता है, जबकि देर रात बाजार बंद होने के बाद ही फुटपाथ नजर आता है। स्थिति यह है कि पैदल यात्रियों की सुरक्षा के लिए लगाई गई लोहे की रेलिंग को भी कई स्थानों पर दुकानदारों ने अपनी सुविधा के लिए काट दिया है। इससे अतिक्रमण और भी आसान हो गया है।

शहरवासियों का कहना है कि समय-समय पर अतिक्रमण हटाने के अभियान चलाए जाते हैं, लेकिन कुछ दिनों बाद फिर वही स्थिति बन जाती है। लोगों का मानना है कि जब तक नियमित निगरानी और सख्त कार्रवाई नहीं होगी, तब तक फुटपाथ पैदल यात्रियों को नहीं मिल पाएंगे। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश भी कागजों तक ही सीमित होकर रह जाएंगे।

लोगों की बात

महेंद्र सिंह का कहना है कि बाजार में पैदल चलना बेहद मुश्किल हो गया है। फुटपाथ पर दुकानें और सामान रखे होने के कारण सड़क पर उतरना पड़ता है, जहां हर समय वाहनों का दबाव रहता है। प्रशासन को नियमित अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाना चाहिए।"

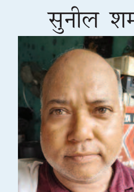
सुनील शर्मा का कहना है कि बाजार में भीड़ अधिक रहती है। यदि सभी व्यापारी निर्धारित सीमा में ही सामान रखें और प्रशासन भी नियमों का पालन कराए, तो पैदल चलने वालों और व्यापारियों दोनों को सुविधा मिल सकती है।

मंदिरों के आसपास से पेड़ा खरीदने में डरने लगे श्रद्धालु

ठाकुरजी को भोग लगाने वाला पेड़ा खराब तो नहीं

यूनिक समय, वृंदावन। मंदिरों की नगरी में पकड़े गए खराब पेड़ा के बाद अब मंदिरों के आसपास बिकने वाले पेड़ा खरीदने में भी शक पैदा हो रहा है। ठाकुरजी को भोग लगाने के लिए खरीदा जा रहा पेड़े की गुणवत्ता कैसी है।

यह सवाल दर्शन करने के लिए आ रहे श्रद्धालुओं के मन में उठ रहा है। श्रद्धालुओं का कहना है कि कम से कम मंदिरों के आसपास बिकने वाले पेड़ा की गुणवत्ता तो सही होने चाहिए। वह तो अच्छा समझकर पेड़ा खरीद रहे हैं, ठाकुरजी को भोग लगाने के लिए जा रहे हैं।

गौरतलब है कि गत दिनों वृंदावन के दो क्षेत्रों में खराब पकड़े गए पेड़े की खबरों को लेकर श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हुई थी। ऐसी बात नहीं खराब पेड़ा का स्टाक पहली बार पकड़ा गया हो। इससे पहले भी कई बार खराब पेड़ा पकड़ा गया। सख्त कार्रवाई न होने से पेड़ा माफिया के हौंसले और बढ़ते जा रहे हैं।

यूनिक समय की टीम ने बांकेबिहारी मंदिर आए कई श्रद्धालुओं से पेड़ा को लेकर बातचीत की। श्रद्धालुओं का कहना है कि हम तो अच्छे पेड़ा की कीमत अदा कर रहे हैं, लेकिन पेड़ा बेचने वाले ठाकुरजी को धोखा दे रहे हैं। यह सही नहीं है, प्रशासन को मंदिरों के आसपास खुली दुकानों पर बिकने वाले पेड़ा समेत अन्य मिठाइयों की जांच करनी चाहिए। उत्तम नगर, दिल्ली से आए विनीत कुमार का कहना था कि मंदिर प्रशासन को पहले की तरह श्रद्धालुओं से पैसा लेकर प्रसाद देने की व्यवस्था करनी चाहिए, जिससे शुद्ध प्रसाद मिल सके।

गुरुग्राम से आई नूतन का कहना है कि वह पहले मंदिर के बाहर खुली एक दुकान से पेड़ा खरीदकर ठाकुर बांकेबिहारी का भोग लगाकर प्रसाद को घर ले गई थी, लेकिन घर जाकर देखा तो डिब्बे के अंदर पेड़ों में फफूंदी पड़ी थी, दुर्गन्ध आ रही थी। उस प्रसाद को घर के बाहर रखना पड़ा था। यदि गाय और कुत्ते को खिलाते तो पाप लगता। पलवल से आए सुरेंद्र कहते हैं कि मथुरा और वृंदावन के प्रसिद्ध पेड़ों के नाम को कुछ लोग बदनाम कर रहे हैं। प्रशासन को ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

घरेलू गैस सिलेंडर उपयोग से हो रहा 1834 रुपये का फायदा

मिठाई की दुकानों पर धड़ल्ले से हो रहा घरेलू सिलेंडर का प्रयोग

दुकानों पर खूब बनाया जा रहा है घरेलू गैस सिलेंडरों से घेवर

यूनिक समय, कोसीकलां। मिठाई की दुकानों पर घेवर बनाने के लिए घरेलू गैस सिलेंडर का प्रयोग धड़ल्ले से किया जा रहा है। दिखावे को कॉमर्शियल सिलेंडर रहते हैं, ऐसे दुकानदारों पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है।

बाजार में हलवाई, ढाबे, चाय आदि खान-पान की दुकानों समेत सभी जगहों पर घरेलू सिलेंडर का इस्तेमाल हो रहा है, जबकि व्यवसायिक कार्यों के लिए कॉमर्शियल सिलेंडर के उपयोग करने के नियम हैं। दुकानदार सरेआम सरकारी नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। खाद्य आपूर्ति विभाग के अधिकारी कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमत 2785 है, उसमें 19 किलो ग्राम गैस आती है। घरेलू सिलेंडर की कीमत 951रुपये है और

घरेलू सिलेंडरों से तैयार हो रहा घेवर।

सिलेंडर में 14.2 किलो ग्राम गैस आती है। दुकानदारों को चार किलोग्राम गैस के लिए करीब 1834 रुपये ज्यादा चुकाने पड़ रहे हैं। दुकानदारों को घरेलू सिलेंडर आसानी से करीब 1400 रुपये में उपलब्ध हो रहा है। दुकानदारों का मानना है कि जब इतने पैसे बच रहे हैं तो फिर महंगे कॉमर्शियल सिलेंडर क्यों खरीदें।

सावन माह में दुकानों पर घेवर खरीदने वालों की भीड़ लग रही है। घेवर बिक्री की स्टॉल गली-गली, सड़क पर अतिक्रमण कर लग रहे हैं। दुकानों पर घरेलू सिलेंडरों से कारीगर घेवर तैयार करते साफ नजर आ रहे हैं।

कोसीकलां में निकला चेहल्लुम का जुलूस

फिजा में या हुसैन की सदाएं गूंजती रहीं

पुलिस प्रशासन ने दी जुलूस को पूरी सुरक्षा

यूनिक समय, कोसीकलां। चेहल्लुम का जुलूस बुधवार को शांति औरसादगी पूर्ण माहौल में निकला गया। या हुसैन की सदाओं के बीच ताजिये कर्बला में सुपुर्द-ए-खाक किए गए। इस दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

सायं जुलूस राठौर नगर स्थित मदरसा रजा ए मुस्तफा से मातमी जुलूस ताजियों के साथ शुरू होकर निकासा चौराहा, बल्देवगंज चौराहा, घंटाघर चौराहा, पंजाबी बाजार, भगवती रोड, थाना रोड, स्वामी विवेकानंद चौराहा से होते हुए ब्रजवासी के सामने पुराना जीटी रोड, शेरगढ़ चौराहा, घंटाघर चौराहा, बल्देवगंज, निकासा चौराहा, काशीराम आवास कालौनी होते हुए मदारी रोड, ईदगाह के सामने करबला पर समापन हुआ, जहां ताजिये सुपुर्द ए खाक किए गए । जुलूस के दौरान रास्तों में फिजां में या हुसैन की सदाएं गूंजती रहीं। इस मौके पर मोहर्रम, चेहल्लुम कमेटी के अध्यक्ष शमशेर अली ने बताया कि चेहल्लुम हमारे लिए केवल शोक का दिन ही नहीं, बल्कि इमाम हुसैन के बताए सत्य, न्याय और इंसानियत के रास्ते पर चलने की प्रेरणा का अवसर भी है। हर साल लोग उनकी कुर्बानी को याद करते हैं। जुलूस के पीछे तौफीक कुरैशी, मौसम उस्ताद, शाकिर नंबरदार, अशरफ अली, अमन, आरिफ, बसीम, अलीम, सईम सहित मुस्लिम समाज के सैकड़ों लोग नम आंखों से इमाम हुसैन को याद करते हुए चल रहे थे।

चेहल्लुम के जुलूस को शांतिपूर्ण माहौल में कराने के लिए प्रभारी निरीक्षक कमलेश कुमार, कस्बा चौकी इंचार्ज दुष्यंत कौशिक पुलिस फोर्स के साथ मौजूद रहे।

लाल हिंडोले में विराजे राजाधिराज ने दिए भक्तों को दर्शन

लाल हिंडोले में विराज कर भक्तों को दर्शन देते भगवान।

यूनिक समय, मथुरा। सावन माह में ठाकुर द्वारकाधीश हर दिन नए-नए हिंडोलों में विराजमान हो कर भक्तों को दर्शन दे रहे हैं। एक झलक पाने को भक्त जयकारों से वातावरण को मंत्रमुग्ध करते है।

मंदिर के मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी (एडवोकेट) ने बताया कि मंदिर के सभी कार्यक्रमों का निर्धारण मंदिर के गोस्वामी डॉ. वागीश कुमार (कांकरोली नरेश, तृतीय पीठ) के द्वारा किया जाता है। उसी परंपरा के तहत आज सावन मास के सातवें दिन ठाकुर ने लाल हिंडोले में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन दिए। मीडिया प्रभारी ने बताया कि कल 5:10 से 5:40 बजे तक ठाकुर जी सोसनी हिंडोले में विराजमान होकर अपने भक्तों को दर्शन देंगे।

लंपी से बचाव में टीकाकरण सबसे कारगर

1.50 लाख पशुओं को लगाई जा चुकी है स्किन डिजीज वैक्सीन

यूनिक समय, मथुरा। लगातार बढ़ते लंपी स्किन डिजीज (एलएसडी) के मामलों को देखते हुए पशुपालकों को समय रहते सतर्क रहने की जरूरत है। यह गाय और भैंसों में होने वाला एक विषाणुजनित संक्रामक रोग है, जो मुख्य रूप से मच्छरों, मक्खियों और अन्य रक्त चूसने वाले कीटों के माध्यम से फैलता है। इस बीमारी से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका समय पर सरकारी टीकाकरण, कीट नियंत्रण और पशुशाला की स्वच्छता बनाए रखना है।

मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. एनएन शुक्ला ने बताया कि पशुपालकों को पशुओं को हरा चारा, सूखा चारा, संतुलित आहार, पर्याप्त

गोवंशी को टीका लगाता पशु पालन विभाग का कर्मचारी।

स्वच्छ पानी और खनिज मिश्रण नियमित रूप से देना चाहिए, जिससे उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बेहतर बनी रहे। नीम आधारित कीटनाशकों का छिड़काव, पशुशाला के आसपास नीम की पत्तियों का धुआं और मच्छर-मक्खियों के प्रजनन स्थलों को नष्ट करना भी लाभदायक माना जाता है। पशु चिकित्सक की सलाह से तुलसी, गिलोय, हल्दी और पवाड़ जैसे प्राकृतिक उपाय सामान्य स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में सहायक हो सकते हैं, लेकिन इन्हें उपचार या टीके का विकल्प नहीं माना जाना चाहिए।

उन्होंने सलाह दी है कि बीमार पशु को तुरंत स्वस्थ पशुओं से अलग रखें, नए पशुओं को कुछ दिन क्वारंटीन में रखने के बाद ही झुंड में शामिल करें और लक्षण दिखाई देने पर तुरंत नजदीकी पशु चिकित्सालय से संपर्क करें। समय पर टीकाकरण और वैज्ञानिक तरीके अपनाकर ही लंपी स्किन डिजीज से पशुओं की प्रभावी सुरक्षा की जा सकती है।

मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. एनएन शुक्ला ने बताया कि जिले को 1.92 लाख लम्पी स्किन डिजीज वैक्सीन मिली थी, जिनमें से 1.50 लाख लगाई जा चुकी हैं।

सार्वजनिक सूचना

मैं मीनू गावर स्वर्गीय विक्रम सिंह और श्रीमती कश्मीरी की पुत्री, वर्तमान में चुंगीवाली गली घोली प्याऊ, मथुरा (उत्तर प्रदेश) पिन-281001 में निवास करती हूँ बताना चाहती हूँ कि मेरे आधार कार्ड, पैन और शैक्षिक प्रमाण पत्रों में मेरा नाम 'MEENU GAWAR' लिखा है। जबकि मेरे दिवंगत पिता की आर्मी रिकॉर्ड ARTY में मेरा नाम गलत तरीके से 'MEENU' लिखा गया है। अब भविष्य में मेरा नाम 'MEENU GAWAR' ही माना और लिखा जाएगा।

आधुनिक शोध और तकनीक से सशक्त जीएलए का बायोटेक्नोलॉजी विभाग

यूनिक समय, मथुरा। स्वास्थ्य, कृषि, खाद्य सुरक्षा, पर्यावरण और चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में तेजी से हो रहे बदलावों के बीच बायोटेक्नोलॉजी आज दुनिया के सबसे तेजी से विकसित होते विषयों में शामिल है। जीनोमिक्स, बायोइन्फॉर्मेटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), जीन एडिटिंग, वैक्सीन विकास और प्रिसिजन मेडिसिन जैसी आधुनिक तकनीकों ने इस क्षेत्र में करियर की नई संभावनाओं के द्वार खोल दिए हैं। ऐसे समय में जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा का बायोटेक्नोलॉजी विभाग आधुनिक प्रयोगशालाओं, उच्चस्तरीय शोध, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और उद्योगोन्मुख शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर के अवसरों के लिए तैयार कर रहा है।

डा. अंजना गोयल

डा. हिमांशु गुप्ता

बायोटेक्नोलॉजी के विद्यार्थियों के लिए आज फार्मास्यूटिकल उद्योग, वैक्सीन निर्माण, हेल्थकेयर, क्लीनिकल रिसर्च, डायग्नोस्टिक्स, कृषि, फूड इंडस्ट्री, पर्यावरण संरक्षण, फॉरेंसिक साइंस, बायोइन्फॉर्मेटिक्स और अनुसंधान संस्थानों में तेजी से अवसर बढ़ रहे हैं। विद्यार्थी गेट, सीएसआईआर–यूजीसी नेट, डीबीटी–बीईटी, आईसीएमआर–जेआरएफ, आईसीएआर जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं के माध्यम से उच्च शिक्षा-अनुसंधान के क्षेत्र में भी उत्कृष्ट करियर बना सकते हैं।

विभाग की सबसे बड़ी विशेषता इसका मजबूत अनुसंधान वातावरण और अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं हैं। विद्यार्थियों को मॉलिक्यूलर बायोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, सेल और टिश्यू कल्चर, प्लांट बायोटेक्नोलॉजी, इम्यूनोलॉजी, ड्रग डिस्कवरी, बायोइन्फॉर्मेटिक्स जैसी आधुनिक प्रयोगशालाओं में प्रशिक्षण दिया जाता है। रियल–टाइम पीसीआर, एलिसा रीडर, जैल डॉक्यूमेंटेशन सिस्टम, नैनोड्रोप स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, बायोसेफ्टी कैबिनेट जैसे आधुनिक उपकरणों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण भी उपलब्ध कराया जाता है।

नए शैक्षणिक सत्र से विद्यार्थियों को क्रिस्पर–कास9 जीन एडिटिंग टेक्नोलॉजी का विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, जिससे वे भविष्य की अत्याधुनिक जैव–प्रौद्योगिकी तकनीकों से परिचित हो सकें।

अनुसंधान-नवाचार के क्षेत्र में भी विभाग लगातार नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। पिछले तीन वर्षों में विभाग के शिक्षक- शोधार्थी 150 से अधिक

जीएलए का बायोटेक्नोलॉजी विभाग आधुनिक शोध वैश्विक अवसर और शानदार करियर का भरोसेमंद मंच

अंतरराष्ट्रीय शोध पत्र प्रकाशित कर चुके हैं। विभाग को दो पेटेंट प्राप्त हुए हैं, जबकि पांच पेटेंट आवेदन प्रकाशित हो चुके हैं। इसके अलावा आईसीएमआर, एएनआरएफ, डीबीटी, आईसीएआर, बीआईआरएसी, एनआरडीसी, यूपीसीएसटी, अमेरिका के नेशनल इंस्टीट्यूट्स ऑफ हेल्थ (एनआईएच) जैसी संस्थाओं से 17 शोध परियोजनाओं के माध्यम से पांच करोड़ रुपये से अधिक का बाह्य शोध अनुदान प्राप्त हुआ है, जिससे विद्यार्थियों को अत्याधुनिक अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य करने का अवसर मिल रहा है।

विभाग ने देश और विदेश के 42 संस्थानों के साथ एमओयू स्थापित किए हैं, जिससे विद्यार्थियों को प्रशिक्षण, शोध और शैक्षणिक सहयोग के बेहतर अवसर प्राप्त हो रहे हैं। इसके अतिरिक्त विभाग के शोधकर्ता लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन, जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कॉन्सिन के साथ कोलैबोरेटिव रिसर्च पर कार्य कर रहे हैं। विभाग के विद्यार्थी जर्मनी, फिनलैंड और मलेशिया में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में अपने शोध प्रस्तुत कर चुके हैं, जबकि एक शोधार्थी वर्तमान में यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कॉन्सिन में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के तहत शोध कार्य कर रही हैं।

विभाग के अनुसार, पिछले तीन वर्षों में प्लेसमेंट 50 प्रतिशत से बढ़कर 70 प्रतिशत तक पहुंचा है। विद्यार्थियों का चयन क्रायोवीवा बायोटेक, लाइफसेल इंटरनेशनल, आईजीन लैबसर्व, एडजीन बायोमेड, बायो–स्टेट कंसल्टिंग, हेक्सा हेल्थ, प्रेमास बायोटेक, नेक्स्टजेन इन–विट्रो डायग्नोस्टिक्स जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों में हुआ है।

एसोसिएट विभागाध्यक्ष डा. अंजना गोयल ने कहा बायोटेक्नोलॉजी केवल एक डिग्री नहीं, बल्कि भविष्य की विज्ञान और तकनीक का आधार है। हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों को ऐसा वातावरण उपलब्ध कराना है, जहां वे आधुनिक प्रयोगशालाओं, अनुसंधान, उद्योग और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से वैश्विक स्तर की प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हो सकें। जीएलए विश्वविद्यालय का बायोटेक्नोलॉजी विभाग बीटेक बायोटेक, बीएससी बायोटेक, बीएससी बायोटेक (ऑनर्स/रिसर्च), एमएससी बायोटेक, एमएससी माइक्रोबायोलॉजी, पीएचडी बायोटेक्नोलॉजी जैसे आधुनिक-उद्योगोन्मुख पाठ्यक्रम संचालित हैं।

इंचार्ज डा. हिमांशु गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय के बायोटेक विभाग का लक्ष्य विद्यार्थियों को केवल अकादमिक ज्ञान तक सीमित रखना नहीं, बल्कि उन्हें शोध, नवाचार और उद्योग की वास्तविक आवश्यकताओं से जोड़ना है। बायोटेक्नोलॉजी विभाग में उपलब्ध आधुनिक सुविधाएं, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और शोध संस्कृति विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए सक्षम बनाती हैं, उन्हें देश-विदेश में उत्कृष्ट करियर के अवसर प्रदान करती हैं।

खेलने की उम्र में दो वर्षीय व्योम चौधरी ने बनाया विश्व रिकॉर्ड

यूनिक समय, मथुरा। जिस उम्र में बच्चे ठीक से बोलना सीख रहे होते हैं, खिलौनों के साथ खेलते हुए दुनिया को समझने की कोशिश कर रहे होते हैं, उसी उम्र में मथुरा के कृष्णा नगर निवासी दो वर्षीय व्योम चौधरी ने अपनी असाधारण प्रतिभा से विश्व स्तर पर पहचान बना ली है। महज दो साल की उम्र में व्योम ने अपनी तेज स्मरण शक्ति और सामान्य ज्ञान के दम पर वर्ल्ड एक्सीलेंस वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में स्थान दर्ज कराया है। इससे पहले वह लंदन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी अपना नाम दर्ज करा चुके हैं। इतनी कम उम्र में लगातार दो अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड पुस्तकों में जगह बनाना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है, जिसने पूरे मथुरा को गौरवान्वित कर दिया है।

व्योम चौधरी की सबसे बड़ी विशेषता उनकी अद्भुत याददाश्त है। वह पशु–पक्षियों, जलचर जीवों, फल–सब्जियों, शरीर के विभिन्न अंगों तथा भारत के राष्ट्रीय प्रतीकों की पहचान तुरंत कर उनके नाम बिना किसी झिझक के बता देते हैं।

उनकी सीखने और याद रखने की क्षमता को देखकर लोग आश्चर्यचकित रह जाते हैं। परिवार के सदस्य बताते हैं कि व्योम नई–नई चीजों को बेहद तेजी से सीखते हैं और एक बार देखने या सुनने के बाद उन्हें लंबे समय तक याद रखते हैं।

व्योम की इस उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार की खुशियों को दोगुना कर दिया है, बल्कि जिले का नाम भी राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। जिले के इस नन्हे बालक की सफलता आज हर किसी के लिए प्रेरणा का विषय बन गई है। व्योम ने अपनी अनोखी प्रतिभा से यह साबित कर दिया है कि बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने के लिए उम्र नहीं, बल्कि क्षमता और निरंतर सीखने की इच्छा सबसे अधिक मायने रखती है।

जवाहर बाग भ्रमण में प्रकृति से रूबरू हुए रोमेक्स स्कूल के विद्यार्थी

भ्रमण के दौरान जवाहर बाग में मौजूद रोमेक्स के विद्यार्थी।

यूनिक समय, मथुरा। रोमेक्स इंटरनेशनल स्कूल के कक्षा एक से पांच तक के विद्यार्थियों ने ऐतिहासिक- प्राकृतिक महत्व वाले जवाहर बाग का शैक्षिक भ्रमण किया। भ्रमण का उद्देश्य बच्चों को प्रकृति से जोड़ना, पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाना और कक्षा में प्राप्त ज्ञान को व्यवहारिक अनुभवों से जोड़ना था। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने हरियाली, विभिन्न प्रजातियों के वृक्षों, पुष्पों और प्राकृतिक वातावरण का अवलोकन किया।

विद्यालय की प्रधानाचार्य डॉ. प्रिया चौधरी ने बताया कि शिक्षकों ने बच्चों को पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, जैव विविधता और प्रकृति के महत्व के बारे में सरल-रोचक तरीके से जानकारी दी। विद्यार्थियों ने समूह गतिविधियों, मनोरंजक खेलों और शिक्षाप्रद कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे भ्रमण के दौरान बच्चों में सीखने की जिज्ञासा और अनुशासन देखने को मिला।विद्यालय के चेयरमैन एसपी सिंह और डायरेक्टर कृष्ण चौधरी ने कहा कि इस प्रकार के शैक्षिक भ्रमण विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे बच्चों में आत्मविश्वास, सामाजिक सहभागिता, पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता और व्यवहारिक ज्ञान का विकास होता है।

भ्रमण का नेतृत्व कोच कंचन ने किया। शिक्षिका कल्पना शुक्ला, शैली खंडेलवाल, सूचि शर्मा, रचना शर्मा, पायल अग्रवाल और शीतल शर्मा ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें विभिन्न प्राकृतिक- ऐतिहासिक जानकारियां दीं। प्रधानाचार्य डॉ. प्रिया चौधरी ने कहा कि भविष्य में भी विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए ऐसे शैक्षिक-अनुभवात्मक भ्रमण नियमित रूप से आयोजित किए जाते रहेंगे।

सदभावना ब्लड बैंक के शिविर में 151 रक्तवीरों ने किया रक्तदान

रक्तदान करते समाजसेवी।

यूनिक समय, राया। सादाबाद रोड स्थित वीएस इंटरप्राइजेज में 'रन फॉर ब्रज' एनजीओ द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 151 रक्तवीरों ने रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की । शुभारंभ आचार्य विष्णुशरण भारद्वाज और आचार्य मृदुलकांत शास्त्री ने दीप प्रज्वलित करके किया। शिविर का संयोजन 'रन फॉर ब्रज' के फाउंडर अंकुर देवा प्रधान द्वारा किया गया। इस अवसर पर भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष यज्ञदत्त कौशिक का विशेष सहयोग रहा। सदभावना ब्लड बैंक के डायरेक्टर संजीव सारस्वत ने सभी रक्तवीरों को स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

रक्तदान करने वालों में प्रमुख रूप से राया चेयरमैन राजकुमार अग्रवाल, डॉ. शिवानी चौधरी, भारत प्रधान, अखिल अग्रवाल, ब्रजमोहन वर्मा, ललिता चौधरी, युवराज चौधरी, देव शर्मा, अंकुर देवा प्रधान, नंदनी, अजीत, नीरज सोलंकी प्रधान, हिमांशु, हेमा, मोहन, रणवीर, मनोज, अर्चना, नीतेश, सोनू चौधरी आदि शामिल रहे। सदभावना ब्लड बैंक की टीम से डायरेक्टर संजीव सारस्वत, डॉ. प्रदीप पारासर, राजू दीक्षित,तरुण, सुशील,राहुल दीक्षित रिंकू राघव , नीराज, सौरव, धर्मेन्द्र, मनोज आदि का सराहनीय सहयोग रहा।

गोवर्धन परिक्रमा मार्ग पर जर्जर छज्जा गिरा, हादसा टला

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन परिक्रमा मार्ग पर मंगलवार को तेज बारिश के दौरान एक जर्जर मकान का छज्जा अचानक गिर गया। संयोग से उस समय वहां कोई श्रद्धालु या राहगीर मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि लगातार बारिश से छज्जा कमजोर हो गया था। घटना के बाद लोगों ने नगर प्रशासन से जर्जर भवनों का सर्वे कराने, समय पर मरम्मत कराने और परिक्रमा मार्ग की जलनिकासी व्यवस्था सुधारने की मांग की।

दुवासू ने दो संस्थानों से किए एमओयू

यूनिक समय, मथुरा। पं. दीन दयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो–अनुसंधान संस्थान (दुवासू) ने पशुधन विकास, वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में दो महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। कुलपति डॉ. अभिजित मित्र के नेतृत्व में राजस्थान लाइवस्टॉक डेवलपमेंट बोर्ड (आरएलडीबी), जयपुर और सीएसआईआर-केंद्रीय औषधीय एवं सगंध पौधा संस्थान (सीएसआईआर–सीमैप), लखनऊ के साथ रणनीतिक साझेदारी स्थापित की गई है।

समझौता ज्ञापनों का आदान- प्रदान करते विश्वविद्यालय के कुलपति डा. अभिजित मित्र आदि।

विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव प्रो. ए.के. मदान, पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. विकास पाठक, प्रसार शिक्षा निदेशक प्रो. संजीव सिंह ने समझौता पत्रों पर हस्ताक्षर किए। आरएलडीबी की ओर से डॉ. प्रीतपाल सिंह कालरा और डॉ. मनीष कुमार गर्ग ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

आरएलडीबी के साथ हुए समझौते के तहत बकरी वीर्य उत्पादन कार्यक्रमों को सुदृढ़ किया जाएगा। इसके अलावा बकरी वीर्य उत्पादन केंद्रों की स्थापना, वैज्ञानिक प्रजनन तकनीकों का विस्तार, पशु चिकित्सकों, पैरा–वेट्स और पशुपालकों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इससे बकरियों की आनुवंशिक गुणवत्ता में सुधार, पशुधन उत्पादकता बढ़ाने और पशुपालकों की आय में वृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा।

पशुधन अनुसंधान और नवाचार को मिलेगी नई गति

वहीं, सीएसआईआर–सीमैप के साथ हुए एमओयू के तहत औषधीय-सुगंधित पौधों से प्राप्त जैव–सक्रिय तत्वों के पशु चिकित्सा में उपयोग, पौध–आधारित उपचार पद्धतियों के विकास, संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं, तकनीकी नवाचार, वैज्ञानिक ज्ञान के आदान–प्रदान और क्षमता निर्माण पर कार्य किया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि इन दोनों समझौतों से पशुधन विकास, पशु स्वास्थ्य और अनुसंधान के क्षेत्र में नई संभावनाओं को बल मिलेगा।

हंसता आईना

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालयः– यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक–पवन गौतम

फोन नंबर–0565–3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

बदलते मौसम में जुकाम, खांसी से बचने को अपनाएं यह घरेलू उपाय

यूनिक समय, मथुरा। बदलते मौसम में सर्दी और जुकाम की समस्या आम हो जाती है। खासकर बारिश के मौसम में लोग इस परेशानी की चपेट में अधिक आते हैं। इसके पीछे मुख्य वजह है मौसम परिवर्तन के दौरान शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता का कमजोर होना। कमजोर इम्यून सिस्टम संक्रमण का आसान लक्ष्य बन जाता है और सर्दी–जुकाम जैसी बीमारियां जल्दी हो जाती हैं।

लेकिन कुछ सरल घरेलू उपाय अपनाकर आप मौसम बदलने के साथ होने वाले सर्दी–जुकाम की समस्या से बच सकते हैं। ये उपाय आपकी इम्यूनिटी को मजबूत बनाते हैं और शरीर को प्राकृतिक रूप से स्वस्थ रखने में मदद करते हैं।

विटामिन सी से भरपूर फलों का सेवन करें : सर्दी–जुकाम से बचाव के लिए सबसे आसान और प्रभावी तरीका है विटामिन सी से भरपूर फलों का सेवन। नींबू, संतरा, आंवला और मौसमी जैसे फलों में विटामिन सी पर्याप्त मात्रा में होता है, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। रोजाना इन फलों का सेवन करना न केवल सर्दी–जुकाम से बचाव करता है, बल्कि शरीर को एनर्जी भी देता है।

हल्दी वाला दूध पिएं : हल्दी में एंटी–वायरल और उपचार गुण होते हैं, जो इसे खांसी–जुकाम के मौसम में राहत देने वाला उपाय बनाते हैं। हल्दी का दूध पीने से शरीर में सूजन कम होती है और जीवाणु और वायरस से लड़ने में मदद मिलती है। यह विशेष रूप से रात में सोने से पहले पीने पर अधिक प्रभावकारी होता है।

गुनगुना पानी पीएं : दिन भर गुनगुना पानी पीना शरीर और गले के लिए लाभकारी है। गुनगुना पानी गले की खराश और जकड़न को कम करता है। इसके अलावा, यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है। गर्म पानी का सेवन शरीर के तापमान को संतुलित रखता है और इम्यून सिस्टम को सक्रिय करता है।

भाप लें और काढ़ा पिएं : सर्दी–जुकाम की स्थिति में गुनगुने पानी की भाप लेना राहत पहुंचाता है। भाप में आप पुदीने के पत्ते या अजवाइन भी डाल सकते हैं। इसके अलावा, रोजाना काढ़ा पीना भी फायदेमंद होता है। आप अजवाइन–लहसुन का काढ़ा या अदरक–तुलसी का काढ़ा रोजाना ले सकते हैं। ये न सिर्फ सर्दी–जुकाम को कम करते हैं बल्कि शरीर को संक्रमण से लड़ने के लिए मजबूत बनाते हैं।

अन्य सावधानियां अपनाएं : मौसम बदलते समय हल्के और गर्म कपड़े पहनें। बाहर से आने के बाद हाथ–पैर अच्छी तरह धोएं। पर्याप्त नींद लें और स्ट्रेस कम करने की कोशिश करें। जूस, सूप और दाल का अधिक सेवन करें, ताकि शरीर में पानी और पोषण की कमी न हो।

इन सरल घरेलू उपायों को अपनाकर आप मौसम बदलते ही होने वाले सर्दी–जुकाम से काफी हद तक बच सकते हैं। इससे न केवल आप स्वस्थ रहते हैं, बल्कि शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी मजबूत होती है।

पुराने एल्युमिनियम प्रेशर कुकर सेहत के लिए क्यों हैं खतरनाक ?

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय रसोई में प्रेशर कुकर का इस्तेमाल लंबे समय से आम है। खासकर एल्युमिनियम के प्रेशर कुकर, जो सस्ते और हल्के होने के कारण अधिकांश घरों में लोकप्रिय हैं। यह खाना जल्दी पकाने में मदद करते हैं, लेकिन अगर आपका कुकर पुराना हो गया है तो यह सेहत के लिए खतरनाक भी हो सकता है।

एक्सपर्ट्स के अनुसार, एल्युमिनियम के बर्तन समय के साथ पतले और खुरदरे होने लगते हैं। जब हम पुराने बर्तनों में खाना पकाते हैं, तो उसमें मौजूद एल्युमिनियम के कण धीरे–धीरे खाने में मिल जाते हैं। यह विशेष रूप से तब होता है जब खाना एसिडिक होता है, जैसे टमाटर, नींबू या इमली। ऐसे खाने में मौजूद विटामिन सी और Ascorbic Acid एल्युमिनियम के कणों को घोलने में मदद करते हैं, जिससे ये शरीर में प्रवेश कर जाते हैं।

एसजीटी यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम के फॉरेंसिक विशेषज्ञ डॉ. भुपेश कुमार शर्मा बताते हैं कि पुराने एल्युमिनियम बर्तनों से निकलने वाले कण नर्वस सिस्टम पर बुरा असर डाल सकते हैं। वैज्ञानिक शोधों में इसे भूलने की बीमारी और हड्डियों की कमजोरी से जोड़ा गया है, हालांकि यह पूरी तरह पुख्ता नहीं है।

पुराने और खुरदरे प्रेशर कुकर में खाना पकाने के नुकसान गंभीर हो सकते हैं। इसके चलते खाना खाने वाले व्यक्ति के धीरे–धीरे एल्युमिनियम के कण शरीर में जमा हो सकते हैं। इससे शरीर की हड्डियां कमजोर हो सकती हैं और न्यूरोलॉजिकल समस्याएं भी बढ़ सकती हैं। इसलिए विशेषज्ञों की सलाह है कि पुराने एल्युमिनियम कुकर का इस्तेमाल कम से कम करें या उसे पूरी तरह बदल दें।

कुकर की उम्र भी महत्वपूर्ण है। एक्सपर्ट बताते हैं कि एल्युमिनियम कुकर को सामान्य तौर पर 1 से 2 साल में बदल देना चाहिए। उच्च क्वालिटी के कुकर भी 2 से 3 साल के बाद बदलने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा, खाना पकाने के लिए पीतल, स्टील या अन्य सुरक्षित मटेरियल के बर्तनों का इस्तेमाल करना बेहतर होता है।

पुराने कुकर से होने वाले खतरों से बचने के लिए यह जरूरी है कि हम अपनी रसोई में सुरक्षा पर ध्यान दें। समय–समय पर प्रेशर कुकर की स्थिति जांचें, उसके अंदर खुरच–खुरच या पपड़ी जैसी परतें दिखें तो उसे तुरंत बदल दें। खाना पकाने के दौरान एसिडिक सामग्री का ध्यान रखें और ऐसे बर्तनों का इस्तेमाल कम करें, जिससे एल्युमिनियम के कण खाने में न मिलें।

इस प्रकार, पुराने एल्युमिनियम प्रेशर कुकर सेहत के लिए खतरा बन सकते हैं।

घर की सुरक्षा और अपने परिवार की सेहत के लिए, हमेशा नए और सुरक्षित बर्तनों का इस्तेमाल करें। यह छोटी सावधानी आपके और आपके परिवार की लंबी उम्र और बेहतर सेहत के लिए जरूरी है।

नाश्ते में बनाएं यह फटाफट ठेला स्टाइल रगड़ा चाट

यूनिक समय, मथुरा। सुबह के समय कुछ चटपटा और स्वादिष्ट खाने का मन हो तो रगड़ा चाट एक बेहतरीन विकल्प है। यह ठेले स्टाइल रेसिपी बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी को पसंद आती है और इसे बनाना भी बहुत आसान है।

रगड़ा चाट बनाने के लिए सबसे पहले सफेद मटर को अच्छे से धोकर 6–8 घंटे के लिए भिगो दें। अगले दिन प्रेशर कुकर में भीगी मटर, कटा हुआ आलू और नमक डालकर मटर नरम होने तक पकाएं। इसके बाद गैस बंद कर दें।

अब एक पैन में तेल डालकर उसमें जीरा और हींग डालें। जब जीरा चटकने लगे, तो हरी मिर्च और प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें। फिर अदरक–लहसुन का पेस्ट डालकर एक मिनट तक भूनें। इसके बाद टमाटर डालकर नरम होने तक पकाएं। अब हल्दी, लाल मिर्च पाउडर, जीरा पाउडर और नमक डालकर मसाले को अच्छी तरह मिलाएं और 2–3 मिनट तक भूनें।

उबले हुए मटर और आलू को मसाले में डालकर अच्छी तरह मिला लें। पैन को ढककर धीमी आंच पर 5–7 मिनट पकाएं ताकि मसाले मटर में अच्छी तरह घुल जाएं। आखिर में गरम मसाला और बारीक कटा हरा धनिया डालकर गैस बंद कर दें। आपका रगड़ा चाट तैयार है।

रगड़ा चाट परोसने के लिए एक प्लेट में 2–3 बड़े चम्मच रगड़ा चाट रखें। इसके ऊपर हरी धनिया चटनी और इमली की चटनी डालें। फिर दही डालकर बारीक कटा प्याज, नमक, लाल मिर्च पाउडर और चाट मसाला छिड़कें। आप ऊपर से आलू के चिप्स या पापड़ी भी तोड़कर डाल सकते हैं। अंत में सेव और बारीक कटा हरा धनिया डालकर नींबू का रस निचोड़ें।

बस, आपकी स्वादिष्ट और चटपटी रगड़ा चाट तैयार है। इसे नाश्ते में बनाकर आप पूरे परिवार के साथ ठेले स्टाइल का मज़ा घर पर ही ले सकते हैं। यह रेसिपी जल्दी बनने वाली और बेहद स्वादिष्ट है, जो किसी भी सुबह को खास बना सकती है।

रगड़ा चाट की खासियत यह है कि मसाले, चटनी और ताज़ी सामग्री का मेल इसे चटपटा और लज़ीज बनाता है। चाहे बच्चों का नाश्ता हो या दोस्तों के लिए स्नैक, यह रेसिपी हर मौके पर फिट बैठती है। इस रेसिपी को ट्राई करें और अपने नाश्ते को स्वादिष्ट और मज़ेदार बनाएं।

पालमपुर के पास हैं शानदार हिल स्टेशन, बिताएं सुकून के पल

यूनिक समय, मथुरा। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले का हिल स्टेशन पालमपुर अपनी खूबसूरती, हरे–भरे चाय के बागानों और धौलाधार पर्वत श्रृंखलाओं के लिए जाना जाता है। हालांकि बहुत कम लोग इसे हिल स्टेशन मानते हैं, लेकिन इसके आसपास कई खूबसूरत हिल स्टेशन हैं जहां आप सुकून और प्रकृति का आनंद ले सकते हैं।

पालमपुर के पास सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशन धर्मशाला है। यहां पर्यटक मुख्य रूप से चाय बागानों, ठंडी हवाओं और सांस्कृतिक स्थलों के लिए आते हैं। धर्मशाला से करीब 5 किलोमीटर दूर मैक्लोडगंज स्थित है, जो अपनी टिब्बती संस्कृति, मोनास्ट्री और स्थानीय बाजारों के लिए प्रसिद्ध है। गर्मियों में देशभर से पर्यटक यहां घूमने आते हैं। मुख्य आकर्षण में भागसू वाटरफॉल, धर्मकोट और धर्मशाला टी गार्डन शामिल हैं।

समुद्र तल से लगभग 2,000 मीटर की ऊंचाई पर स्थित बीर बिलिंग हिमाचल का एक बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन है। यह जगह मुख्य रूप से पैराग्लाइडिंग के लिए जानी जाती है। यहां आप ट्रेकिंग, हाइकिंग और कैंपिंग का भी आनंद ले सकते हैं। पर्यटकों के लिए यह साहसिक गतिविधियों का केंद्र बन चुका है। प्रमुख आकर्षणों में चोकलिंग मठ, गुनेहर वॉटरफॉल और बीर सनसेट पॉइंट शामिल हैं।

बरोट हिमाचल की हसीन वादियों में स्थित एक छिपा खजाना है। ऊंचे बादलों से ढके पहाड़, देवदार के बड़े पेड़, झील और झरने तथा घने जंगल यहां की खूबसूरती बढ़ाते हैं। यह हिल स्टेशन प्रकृति प्रेमियों और शांति खोजने वालों के लिए आदर्श स्थल है। मुख्य आकर्षणों में बरोट मंदिर, लापस वॉटरफॉल और बाडा ग्रान ट्रेक शामिल हैं।

कुल्लू हिमाचल प्रदेश का एक सुंदर हिल स्टेशन और जिला है, जो मंडी–मनाली राजमार्ग पर स्थित है। कुल्लू अपनी प्राकृतिक सुंदरता, शांत वातावरण और घास के मैदानों के लिए प्रसिद्ध है। यहां ऊंचे पहाड़, झील और झरने पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। वीकेंड पर यह हिल स्टेशन पर्यटकों से भरा रहता है। प्रमुख आकर्षणों में फ्रेंडशिप पीक, नग्गर कैसल और भृगु झील शामिल हैं।

पालमपुर के आसपास ये हिल स्टेशन न केवल प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध हैं, बल्कि यहां आपको रोमांच, शांति और सांस्कृतिक अनुभव भी मिलते हैं। चाहे आप परिवार के साथ छुट्टियां बिताना चाह रहे हों, दोस्तों के साथ ट्रेकिंग का आनंद लेना चाहते हों या रोमांचक खेलों में भाग लेना चाहते हों, ये हिल स्टेशन हर तरह के पर्यटक की जरूरतों को पूरा करते हैं।

इन जगहों पर पहुंचकर आप ठंडी हवाओं, हरे–भरे बागानों और शांत वातावरण का आनंद ले सकते हैं। अगर आप भी हिमाचल के खूबसूरत हिल स्टेशनों की तलाश में हैं, तो पालमपुर के आसपास ये स्थल आपके डेस्टिनेशन लिस्ट में जरूर शामिल होने चाहिए।

सुविचार

रास्ते मुश्किल हों तो क्या, हौंसले हमेशा मंजिल तक पहुंचाते हैं।

कल का पंचांग

तिथि	अष्टमी	08:42-06:52 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	भरणी	09:18-08:13 तक	माह	श्रावण
सूर्योदय		5:49 AM	चन्द्रोदय	11:42 PM
सूर्यास्त		7:00 PM	चंद्रास्त	12:57 PM
सूर्य राशि		कर्क राशि	चंद्र	वृषभ राशि
शुभ मुहूर्त		11:58AM –12:51 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:53-04:41
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		02:04 PM: 03:43 PM	वार	गुरुवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेषः आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यस्थल पर सफलता मिलेगी। परिवार का सहयोग रहेगा। खर्च नियंत्रित रखें। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, यात्रा लाभदायक होगी।

वृषभः आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। रुका धन मिलने के संकेत हैं। रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। नई जिम्मेदारियां मिलेंगी। धैर्य बनाए रखें।

मिथुनः करियर में नए अवसर मिलेंगे। विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी। मित्रों का सहयोग रहेगा। निवेश सोच–समझकर करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्कः पारिवारिक सुख बढ़ेगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। व्यापार में लाभ होगा। अनावश्यक विवादों से बचें। आत्मविश्वास बनाए रखें।

सिंहः कार्यों में सफलता मिलेगी। धन लाभ के योग बनेंगे। सामाजिक सम्मान बढ़ेगा। परिवार के साथ समय बिताएं। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कन्याः मेहनत का पूरा फल मिलेगा। नए संपर्क लाभ देंगे। आर्थिक स्थिति सुधरेगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। तनाव से दूरी रखें।

तुलाः व्यापार में उन्नति होगी। नौकरी में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। खर्च बढ़ेंगे।

वृश्चिकः रुके कार्य पूरे होंगे। आय में वृद्धि होगी। मित्रों से लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा।

धनुः भाग्य का साथ मिलेगा। करियर में प्रगति होगी। निवेश से लाभ संभव है।

मकरः कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। आर्थिक मामलों में लाभ होगा। नई योजनाएं सफल होंगी। रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

कुंभः नौकरी और व्यापार में उन्नति के योग हैं। नई जिम्मेदारियां मिलेंगी। खर्च नियंत्रित रखें। परिवार का सहयोग मिलेगा। मन प्रसन्न रहेगा।

मीनः धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आर्थिक लाभ होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। यात्रा शुभ रहेगी।

बिना स्नान रसोई में जाना क्यों माना जाता है अनुचित

धार्मिक मान्यताओं में रसोई को पवित्र स्थान माना गया है

स्वच्छता अपनाने से संक्रमण और बीमारियों का कम होता है खतरा

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय संस्कृति में रसोई को केवल भोजन बनाने का स्थान नहीं, बल्कि घर का सबसे पवित्र हिस्सा माना जाता है। मान्यता है कि रसोई में माता अन्नपूर्णा का वास होता है, इसलिए यहां प्रवेश करने से पहले शरीर और मन दोनों का शुद्ध होना आवश्यक माना गया है। धार्मिक परंपराओं के अनुसार स्नान करके, स्वच्छ वस्त्र पहनकर और शांत मन से बनाया गया भोजन अधिक सात्विक माना जाता है। ऐसे भोजन को भगवान को भोग लगाने योग्य भी बताया गया है।

महंत कामेश्वरानंद वेदांताचार्य का कहना है कि भोजन केवल शरीर का पोषण नहीं करता, बल्कि व्यक्ति के मन और विचारों पर भी प्रभाव डालता है। इसलिए भोजन बनाते समय स्वच्छता, सकारात्मक सोच और पवित्रता का विशेष महत्व बताया गया है। उनका कहना है कि रसोई अग्नि का स्थान है और अग्नि के समीप जाने से पहले स्नान करने की परंपरा इसी कारण विकसित हुई, ताकि व्यक्ति शारीरिक और मानसिक रूप से शांत तथा स्वच्छ रहे।

विशेषज्ञों के अनुसार स्नान का महत्व केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे स्वच्छता और स्वास्थ्य से जुड़े व्यावहारिक कारण भी हैं। शरीर पर मौजूद धूल, पसीना और कीटाणु बिना सफाई के भोजन तक पहुंच सकते हैं, जिससे संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए खाना बनाने से पहले शरीर की स्वच्छता बनाए रखना लाभदायक माना जाता है। महंत कामेश्वरानंद वेदांताचार्य बताते हैं कि स्नान करने से शरीर तरोताजा महसूस करता है और मन भी शांत रहता है। यही कारण है कि पुराने समय से घर के बड़े–बुजुर्ग रसोई में प्रवेश करने से पहले स्नान करने की सलाह देते रहे हैं। इसके साथ ही भोजन बनाने और खाने से पहले हाथ–पैर अच्छी तरह धोना भी जरूरी माना गया है। भारतीय परंपरा में सूर्योदय के आसपास या उससे पहले स्नान कर दिन की शुरुआत करना शुभ माना जाता है। हालांकि आधुनिक जीवनशैली में हर व्यक्ति के लिए यह संभव नहीं होता, लेकिन विशेषज्ञ इस बात पर जोर देते हैं कि भोजन बनाते समय व्यक्तिगत स्वच्छता, साफ कपड़े, हाथों की सफाई और रसोई की स्वच्छता का पालन करना सबसे महत्वपूर्ण है। यही आदत परिवार के बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षित भोजन की आधारशिला बनती है।

MANNAT
GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

बिना कुंडली के पुखराज पहनना पड़ सकता है भारी

यूनिक समय, मथुरा। वैदिक ज्योतिष में पुखराज को देवगुरु बृहस्पति का प्रमुख रत्न माना जाता है। मान्यता है कि यह रत्न ज्ञान, विवेक, सम्मान, समृद्धि और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देता है। हालांकि ज्योतिषाचार्यों का कहना है कि पुखराज हर व्यक्ति के लिए समान रूप से लाभकारी नहीं होता। इसलिए इसे धारण करने से पहले योग्य ज्योतिषाचार्य से कुंडली का परीक्षण कराना आवश्यक माना जाता है।

अयोध्या के ज्योतिषाचार्य पंडित कल्कि राम के अनुसार उत्तम पुखराज सामान्यतः पीले या हल्के क्रीम रंग का, पारदर्शी और प्राकृतिक चमक वाला होता है। उचित सलाह के बाद धारण किया गया पुखराज आत्मविश्वास, निर्णय क्षमता और सकारात्मक सोच को

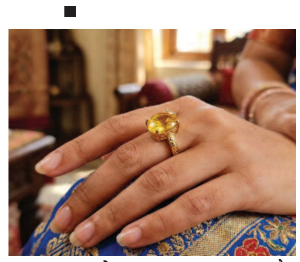

मजबूत करने वाला माना जाता है। साथ ही यह सम्मान, उन्नति और अच्छे लोगों का साथ मिलने में भी सहायक माना जाता है।

ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि यदि पुखराज कुंडली के अनुकूल न हो तो इसके विपरीत प्रभाव भी देखने को मिल सकते हैं। ऐसी स्थिति में आर्थिक हानि, पारिवारिक तनाव, कार्यों में बाधा, व्यापार या नौकरी में परेशानियां और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उत्पन्न होने

गुरुवार के दिन विधिवत पूजा करके ही करें धारण

की आशंका रहती है। इसलिए केवल राशि के आधार पर यह रत्न धारण करना उचित नहीं माना जाता।

पंडित कल्कि राम के अनुसार पुखराज को सामान्यतः गुरुवार के दिन विधिवत पूजा के बाद धारण किया जाता है। इसके लिए रत्न को पंचामृत में रखकर शुद्ध किया जाता है, फिर गंगाजल से स्नान कराकर धूप–दीप अर्पित किए जाते हैं। इसके बाद "ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः गुरवे नमः" मंत्र का 108 बार जप कर श्रद्धापूर्वक पुखराज धारण करने की परंपरा बताई गई है।

आरती के बाद आंखों पर क्यों लगाते हैं हाथ

यूनिक समय, मथुरा। हिंदू धर्म में पूजा के अंत में आरती करने के बाद दीपक की लौ पर हाथ फेरकर उन्हें आंखों और माथे से लगाने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। इसे केवल धार्मिक रीति नहीं, बल्कि आस्था, श्रद्धा और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार दीपक की लौ भगवान के तेज, दिव्य ऊर्जा और आशीर्वाद का स्वरूप होती है। हाथों को लौ की गर्माहट के पास ले जाकर आंखों और माथे पर लगाने का अर्थ ईश्वर की कृपा को विनम्रता के साथ स्वीकार करना माना जाता है।

पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार पूजा के दौरान मन भगवान में एकाग्र रहता है। आरती के बाद हाथों की हल्की गर्माहट आंखों और चेहरे पर लगाने से कई लोगों को मानसिक

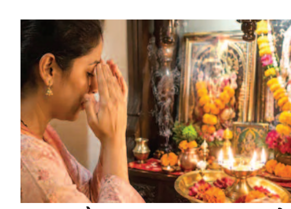

शांति और सुकून का अनुभव होता है। हालांकि, इसके वैज्ञानिक पक्ष को लेकर ठोस चिकित्सा प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं और इसे पारंपरिक मान्यता के रूप में ही देखा जाता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि धार्मिक अनुष्ठान व्यक्ति में सकारात्मक सोच, आत्मिक संतोष और मानसिक संतुलन विकसित करने में सहायक हो सकते हैं। यही कारण है कि आरती के बाद हाथ आंखों पर लगाने की परंपरा आज भी श्रद्धा और विश्वास के साथ निभाई जाती है।

चाणक्य नीति: पांच आदतें बिगाड़ती हैं घर का माहौल

यूनिक समय, मथुरा। हर परिवार चाहता है कि उसके घर में सुख, शांति और खुशहाली बनी रहे, लेकिन कई बार बड़ी समस्याओं से ज्यादा रोजमर्रा की छोटी–छोटी गलतियां रिश्तों में तनाव पैदा कर देती हैं। आचार्य चाणक्य ने अपनी नीतियों में ऐसे व्यवहारों का उल्लेख किया है, जो धीरे–धीरे परिवार की खुशियां छीन सकते हैं। उनका मानना था कि किसी भी घर की मजबूती धन–संपत्ति से नहीं, बल्कि वहां रहने वाले लोगों के व्यवहार, सम्मान और आपसी विश्वास से तय होती है।

कड़वी वाणी, गुस्सा अविश्वास रिश्तों में बढ़ाते हैं दूरी

फिजूलखर्ची, आलस गंदगी परिवार की खुशियां धीरे–धीरे छीनते हैं

चाणक्य के अनुसार सबसे बड़ी गलती कड़वी वाणी और अपमानजनक व्यवहार है। यदि परिवार के सदस्य हर छोटी बात पर ताने दें, ऊंची आवाज में बात करें या कटु शब्दों का प्रयोग करें, तो रिश्तों में दूरी बढ़ने लगती है। मधुर भाषा और सम्मानजनक व्यवहार न केवल विवाद कम करते हैं, बल्कि परिवार में अपनापन और विश्वास भी मजबूत करते हैं।

इसी तरह हर छोटी बात पर गुस्सा करना भी घर की शांति के लिए नुकसानदायक माना गया है। क्रोध व्यक्ति की सोचने–समझने की क्षमता को प्रभावित करता है और छोटे मतभेद बड़े झगड़ों में बदल सकते हैं।

आचार्य चाणक्य का मानना था कि किसी भी परिवार की सबसे बड़ी ताकत आपसी विश्वास होता है। यदि घर के सदस्य एक–दूसरे पर संदेह करने लगें या अपनी बातें छिपाने लगें, तो रिश्तों की नींव कमजोर होने लगती है। खुलकर संवाद करना और ईमानदारी बनाए रखना परिवार में विश्वास और प्रेम को बनाए रखने का सबसे प्रभावी तरीका माना गया है। चाणक्य ने अन्न और धन के सम्मान पर भी विशेष जोर दिया है। उनके अनुसार बिना जरूरत खर्च करना, भोजन की बर्बादी करना और आर्थिक अनुशासन की अनदेखी करना भविष्य में तनाव और विवाद का कारण बन सकता है। इसके अलावा आलस और गंदगी भी घर के सकारात्मक वातावरण को प्रभावित करते हैं। नियमित दिनचर्या, समय पर कार्य करना और घर की साफ–सफाई बनाए रखना मानसिक शांति और बेहतर पारिवारिक तालमेल में मदद करता है। चाणक्य नीति का संदेश है कि यदि इन पांच आदतों में समय रहते सुधार कर लिया जाए, तो परिवार में प्रेम, सम्मान, विश्वास और सुख–शांति का वातावरण लंबे समय तक बना रह सकता है।

सम्पादकीय

सुंदर दिखने की चाह में पनप रहा खतरनाक कारोबार

शादी, सोशल मीडिया और आकर्षक व्यक्तित्व की बढ़ती चाहत ने सुंदर दिखने की होड़ को एक खतरनाक कारोबार में बदल दिया है। मध्य प्रदेश में सामने आई स्टिंग रिपोर्ट ने दिखाया कि किस तरह बिना पर्याप्त विशेषज्ञता वाले लोग वजन घटाने के इंजेक्शन, स्टेरॉयड, ब्रेस्ट एनलार्जमेंट और अन्य कॉस्मेटिक प्रक्रियाओं का कारोबार कर रहे हैं। यह केवल एक राज्य की समस्या नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश के लिए गंभीर चेतावनी है।

पवन गौतम
संपादक

उत्तर प्रदेश में भी बड़े शहरों से लेकर छोटे कस्बों तक जिम, स्लिमिंग सेंटर, ब्यूटी क्लीनिक और स्किन केयर सेंटर तेजी से बढ़े हैं। सोशल मीडिया पर "30 दिन में वजन कम", "इंस्टेंट सिक्स पैक", "ग्लोइंग स्किन" और "परफेक्ट फिगर" जैसे विज्ञापन युवाओं को आकर्षित कर रहे हैं। कई जगह बिना योग्य विशेषज्ञों की निगरानी के इंजेक्शन, हार्मोन और स्टेरॉयड दिए जाने की शिकायतें समय–समय पर सामने आती रही हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि कई लोग बिना दुष्प्रभाव जाने केवल जल्दी परिणाम पाने के लिए ऐसे जोखिम उठा लेते हैं।

स्कैन करें
संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

विशेषज्ञ स्पष्ट कहते हैं कि ओजेम्पिक, मोंजारो जैसे इंजेक्शन या हार्मोनल दवाएं केवल योग्य चिकित्सक की सलाह और नियमित जांच के बाद ही दी जानी चाहिए। इनका गलत इस्तेमाल हार्ट अटैक, किडनी और लिवर की क्षति, हार्मोनल असंतुलन, मानसिक समस्याओं और यहां तक कि मौत का कारण भी बन सकता है। इसके बावजूद कुछ जिम और क्लीनिक इन्हें सौंदर्य का शॉर्टकट बताकर बेच रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए कई कदम उठाए हैं, लेकिन अब जरूरत ऐसे अवैध ब्यूटी और फिटनेस कारोबार पर भी सख्त निगरानी की है। स्वास्थ्य विभाग, औषधि प्रशासन और पुलिस को संयुक्त अभियान चलाकर बिना लाइसेंस चल रहे क्लीनिकों और जिमों की जांच करनी चाहिए। साथ ही लोगों को भी जागरूक करना होगा कि सोशल मीडिया के दावों और बिना विशेषज्ञ सलाह के किसी भी इंजेक्शन या दवा का उपयोग जानलेवा साबित हो सकता है।

वास्तविक सुंदरता किसी इंजेक्शन या स्टेरॉयड से नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली, संतुलित आहार और नियमित व्यायाम से आती है। यदि समाज ने इस सच को नहीं समझा, तो सुंदर दिखने की अंधी दौड़ कई युवाओं की जिंदगी को समय से पहले अंधेरे में धकेल सकती है।

नजरिया

जंग से जेब खाली, तेल कंपनियों की तिजोरी भरी

बोध प्रकाश सगुणी

युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़ा जाता, उसका असर दुनिया के हर घर तक पहुंचता है। कहीं मिसाइलें गिरती हैं तो कहीं बाजार हिलते हैं। सैनिक मोर्चे पर लड़ते हैं, लेकिन उसकी कीमत आम नागरिक अपनी जेब से चुकाता है। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव तथा होर्मुज स्ट्रेट को लेकर जारी टकराव ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि आधुनिक युद्ध का सबसे बड़ा हथियार केवल बारूद नहीं, बल्कि ऊर्जा भी है। इस संघर्ष ने वैश्विक तेल बाजार में भारी उथल–पुथल मचा दी। परिणामस्वरूप दुनिया महंगाई से जूझती रही, जबकि बड़ी तेल कंपनियों ने अरबों डॉलर का रिकॉर्ड मुनाफा कमाया। यही वैश्विक अर्थव्यवस्था का वह विरोधाभास है, जहां संकट कुछ के लिए अवसर और अधिकांश लोगों के लिए परेशानी बन जाता है।

होर्मुज स्ट्रेट दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति की सबसे महत्वपूर्ण समुद्री धमनियों में से एक है। वैश्विक कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। जब भी इस मार्ग पर तनाव बढ़ता है, बाजार तत्काल प्रतिक्रिया देता है। तेल की कीमतें बढ़ने लगती हैं, क्योंकि निवेशकों और खरीदारों को आपूर्ति बाधित होने का डर सताने लगता है। इस बार भी यही हुआ। युद्ध की आशंका और समुद्री सुरक्षा को लेकर बढ़ी चिंताओं ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम ऊपर पहुंचा दिए। इसका असर केवल पेट्रोल और डीजल तक सीमित नहीं रहा, बल्कि परिवहन, बिजली उत्पादन, उद्योग, कृषि और खाद्य वस्तुओं तक महसूस किया गया।

महंगाई की सबसे बड़ी मार आम नागरिक पर पड़ती है। ईंधन महंगा होने से ट्रकों का किराया बढ़ता है, माल ढुलाई का खर्च बढ़ता है और अंततः रोजमर्रा की वस्तुएं महंगी हो जाती हैं। फल–सब्जियों से लेकर दवाइयों, कपड़ों और निर्माण सामग्री तक हर चीज की कीमत प्रभावित होती है। विकासशील देशों के लिए यह स्थिति और अधिक चुनौतीपूर्ण होती है, क्योंकि वहां पहले से ही महंगाई और बेरोजगारी बड़ी समस्याएं हैं। ऐसे समय में लोगों की आय नहीं बढ़ती, लेकिन खर्च लगातार बढ़ जाता है।

दूसरी ओर, तेल उत्पादन और निर्यात से जुड़ी बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए यही संकट कमाई का सुनहरा अवसर बन जाता है। जब कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ती हैं तो उत्पादन लागत लगभग समान रहती है, लेकिन बिक्री मूल्य कई गुना अधिक हो जाता है। परिणामस्वरूप कंपनियों का मुनाफा रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच जाता है। इस बार भी दुनिया की छह प्रमुख तेल कंपनियों ने दूसरी तिमाही में कई वर्षों का सबसे अधिक लाभ दर्ज किया। इससे एक बार फिर यह बहस तेज हो गई है कि क्या वैश्विक संकटों का सबसे बड़ा आर्थिक लाभ कुछ चुनिंदा कॉरपोरेट समूहों तक ही सीमित रह जाता है?

यह पहली बार नहीं है। इतिहास बताता है कि 1973 के अरब–इजराइल युद्ध से लेकर खाड़ी युद्ध, रूस–यूक्रेन संघर्ष और अब ईरान–अमेरिका तनाव तक हर बड़े भू–राजनीतिक संकट के दौरान तेल कंपनियों के मुनाफे में भारी बढ़ोतरी हुई है। ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता जितनी अधिक होती है, कीमतें उतनी तेजी से बढ़ती हैं और कंपनियों की आय भी उसी अनुपात में बढ़ जाती है। यही कारण है कि वैश्विक अर्थशास्त्री लंबे समय से ऊर्जा बाजार को अधिक पारदर्शी और संतुलित बनाने की मांग करते रहे हैं।

हालांकि हाल के दिनों में होर्मुज स्ट्रेट को लेकर अमेरिका, ईरान और ओमान के बीच बातचीत की खबरों से तेल बाजार में कुछ राहत दिखाई दी है। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट भी दर्ज हुई है। लेकिन यह राहत तभी स्थायी होगी जब समुद्री मार्ग पूरी तरह सुरक्षित बने और राजनीतिक विश्वास बहाल हो। केवल समझौते की घोषणा पर्याप्त नहीं होगी। जहाजरानी कंपनियों, बीमा कंपनियों और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों को भी भरोसा होना चाहिए कि भविष्य में इस मार्ग पर फिर किसी तरह का सैन्य टकराव नहीं होगा।

भारत जैसे ऊर्जा आयातक देशों के लिए यह संकट विशेष चिंता का विषय है। देश अपनी जरूरत का अधिकांश कच्चा तेल विदेशों से आयात करता है और उसका बड़ा हिस्सा पश्चिम एशिया से आता है। तेल महंगा होने का सीधा असर भारत के आयात बिल, व्यापार घाटे और रुपये की मजबूती पर पड़ता है। यदि लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय कीमतें ऊंची बनी रहती हैं तो सरकार पर पेट्रोलियम उत्पादों की कीमत नियंत्रित रखने का दबाव बढ़ता है। इससे विकास योजनाओं और वित्तीय संतुलन पर भी असर पड़ सकता है।

उत्तर प्रदेश जैसे बड़े और कृषि प्रधान राज्य पर भी इसका प्रभाव साफ दिखाई देता है। डीजल महंगा होने से सिंचाई की लागत बढ़ती है। ट्रैक्टर, हार्वेस्टर और अन्य कृषि उपकरणों का संचालन महंगा हो जाता है। मंडियों तक फसल पहुंचाने का खर्च बढ़ता है, जिसका असर किसानों और उपभोक्ताओं दोनों पर पड़ता है। वहीं परिवहन महंगा होने से औद्योगिक इकाइयों की लागत भी बढ़ती है। इसका प्रभाव रोजगार और उत्पादन दोनों पर पड़ सकता है। यानी पश्चिम एशिया का युद्ध प्रदेश के गांवों और शहरों तक आर्थिक दबाव के रूप में पहुंच जाता है।

इस पूरे घटनाक्रम ने दुनिया को एक और महत्वपूर्ण संदेश दिया है कि ऊर्जा सुरक्षा केवल आर्थिक मुद्दा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का भी विषय है। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में सौर ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, एथेनॉल मिश्रण, जैव ईंधन और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। यदि देश आयातित तेल पर अपनी निर्भरता कम करने में सफल होता है तो भविष्य में ऐसे अंतरराष्ट्रीय संकटों का प्रभाव भी सीमित किया जा सकेगा। ऊर्जा स्रोतों में विविधता और रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार बढ़ाना समय की आवश्यकता बन चुका है।

साथ ही वैश्विक समुदाय को भी यह समझना होगा कि युद्ध किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। हर सैन्य संघर्ष केवल सीमाओं पर नहीं, बल्कि विश्व अर्थव्यवस्था, व्यापार, निवेश और आम नागरिकों के जीवन पर भी गहरा असर छोड़ता है। संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की भूमिका केवल युद्धविराम तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा और वैश्विक आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए भी प्रभावी प्रयास होने चाहिए।

ईरान–अमेरिका तनाव ने एक बार फिर दुनिया के सामने वही पुराना सच रखा है– युद्ध कुछ देशों की राजनीति बदलता है, लेकिन उसका आर्थिक बोझ पूरी दुनिया उठाती है। जब आम परिवार बढ़ती महंगाई से जूझ रहे हों और दूसरी ओर कुछ कंपनियां रिकॉर्ड मुनाफा कमा रही हों, तब यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि वैश्विक आर्थिक व्यवस्था किसके हित में काम कर रही है। इसलिए केवल युद्ध रोकना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था विकसित करना भी जरूरी है जिसमें वैश्विक संकटों का लाभ कुछ हाथों तक सीमित न रहे और उसका बोझ पूरी मानवता पर न पड़े। यही विश्व अर्थव्यवस्था की वास्तविक परीक्षा और भविष्य की सबसे बड़ी चुनौती है।

विचार विंडो

निजी बीमा से सरकारी अस्पतालों को मिलेगी नई पहचान

राम प्रकाश शर्मा

उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य है और यहां करोड़ों लोगों की पहली उम्मीद आज भी सरकारी अस्पताल ही हैं। गांवों से लेकर महानगरों तक अधिकांश मरीज जिला अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर इलाज के लिए निर्भर रहते हैं। ऐसे में यदि सरकारी अस्पतालों में निजी स्वास्थ्य बीमा के तहत कैशलेस इलाज की व्यवस्था शुरू होती है तो यह प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं में बड़ा बदलाव ला सकती है। राजस्थान में इस दिशा में शुरू हुई पहल उत्तर प्रदेश के लिए भी एक उपयोगी मॉडल साबित हो सकती है।

प्रदेश में पिछले कुछ वर्षों में स्वास्थ्य सुविधाओं का तेजी से विस्तार हुआ है। गोरखपुर, प्रयागराज, झांसी, कानपुर, मेरठ, आगरा, मथुरा, अयोध्या और अन्य जिलों में मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ी है। सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं का दायरा भी विस्तृत हुआ है। इसके बावजूद बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं जिनके पास निजी स्वास्थ्य बीमा तो है, लेकिन वे उसका लाभ केवल निजी अस्पतालों में ही ले पाते हैं। यदि वही सुविधा सरकारी अस्पतालों में भी उपलब्ध हो जाए तो मरीजों को गुणवत्तापूर्ण इलाज कम खर्च में मिल सकेगा।

आज प्रदेश में मध्यम वर्ग और नौकरीपेशा परिवारों के बीच निजी स्वास्थ्य बीमा तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन निजी अस्पतालों में इलाज के दौरान कई बार बीमा राशि कम पड़ जाती है। महंगे पैकेज, अतिरिक्त जांच और दवाओं का खर्च मरीजों पर अलग से आ जाता है। इसके विपरीत सरकारी अस्पतालों में इलाज की लागत अपेक्षाकृत कम होती है। यदि यहां निजी बीमा के माध्यम से कैशलेस इलाज उपलब्ध होगा तो सीमित बीमा राशि में भी गंभीर बीमारियों का बेहतर उपचार संभव हो सकेगा और मरीजों की जेब पर अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा।

उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में यह व्यवस्था और अधिक उपयोगी सिद्ध हो सकती है। प्रदेश के अनेक जिलों में बड़े निजी अस्पताल उपलब्ध नहीं हैं, जबकि जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज ही विशेषज्ञ चिकित्सा का प्रमुख केंद्र हैं। वर्तमान में कई मरीज इलाज के लिए लखनऊ, नोएडा, गाजियाबाद या दिल्ली तक जाने को मजबूर होते हैं। यदि स्थानीय सरकारी अस्पतालों में निजी बीमा के जरिए कैशलेस सुविधा मिलेगी तो मरीजों को अपने ही जिले में समय पर इलाज मिल सकेगा। इससे आर्थिक बोझ कम होगा और गंभीर मरीजों का समय भी बचेगा।

सरकारी अस्पतालों के लिए भी यह व्यवस्था नए अवसर लेकर आएगी। बीमा कंपनियों से मिलने वाला राजस्व अस्पतालों की आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने में उपयोग किया जा सकता है। आधुनिक मशीनें, बेहतर आईसीयू, डिजिटल रिकॉर्ड प्रणाली, दवा उपलब्धता, साफ–सफाई और मरीजों के लिए आवश्यक सुविधाओं का विस्तार इसी अतिरिक्त आय से संभव हो सकता है। इससे सरकारी अस्पतालों की कार्यक्षमता और जनता का विश्वास दोनों बढ़ेंगे। इस व्यवस्था का एक सकारात्मक प्रभाव निजी अस्पतालों पर भी पड़ेगा। यदि सरकारी अस्पताल गुणवत्तापूर्ण और कैशलेस सेवाएं देने लगेंगे तो निजी अस्पतालों को भी अपनी सेवाओं की गुणवत्ता और शुल्क संरचना पर पुनर्विचार करना होगा। स्वस्थ प्रतिस्पर्धा से अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण लग सकता है और मरीजों को अधिक पारदर्शी स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकती हैं।

हालांकि उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य में इस व्यवस्था को लागू करना आसान नहीं होगा। सबसे बड़ी चुनौती अस्पतालों की कार्यप्रणाली को बीमा आधारित कैशलेस प्रणाली के अनुरूप बनाना होगी। डिजिटल क्लेम प्रोसेसिंग, प्रशिक्षित बीमा समन्वयक, मजबूत आईटी नेटवर्क, समयबद्ध भुगतान और पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था विकसित करनी होगी। यदि दावों के निपटान में देरी होगी या मरीजों को अनावश्यक प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ेगा तो योजना का उद्देश्य कमजोर पड़ सकता है।

प्रदेश सरकार पहले से आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना जैसी योजनाओं के माध्यम से लाखों लोगों को कैशलेस उपचार उपलब्ध करा रही है।

इन योजनाओं के संचालन का अनुभव बताता है कि सरकारी अस्पताल बड़ी संख्या में मरीजों का सफल उपचार करने में सक्षम हैं। इसी अनुभव का लाभ निजी स्वास्थ्य बीमा प्रणाली को सरकारी अस्पतालों से जोड़ने में उठाया जा सकता है। इससे पहले से मौजूद व्यवस्थाओं का बेहतर उपयोग होगा और स्वास्थ्य सेवाओं का दायरा और व्यापक बनेगा। जनजागरूकता भी इस पहल की सफलता की अहम शर्त होगी। अधिकांश लोग अब भी मानते हैं कि निजी स्वास्थ्य बीमा का उपयोग केवल निजी अस्पतालों में ही किया जा सकता है। यदि यह व्यवस्था लागू होती है तो सरकार, बीमा कंपनियों और अस्पतालों को संयुक्त रूप से जागरूकता अभियान चलाना होगा ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें। साथ ही अस्पतालों में मरीजों के साथ व्यवहार, स्वच्छता, दवा उपलब्धता और समयबद्ध सेवाओं पर विशेष ध्यान देना होगा।

उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने की दिशा में यह पहल दूरगामी परिणाम दे सकती है।

इससे सरकारी अस्पतालों को अतिरिक्त संसाधन मिलेंगे, बीमाधारकों को सस्ता और गुणवत्तापूर्ण इलाज मिलेगा तथा स्वास्थ्य क्षेत्र में संतुलित प्रतिस्पर्धा विकसित होगी। यदि इसे चरणबद्ध तरीके से सभी मेडिकल कॉलेजों और जिला अस्पतालों में लागू किया जाए तो प्रदेश के करोड़ों लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ, किफायती और भरोसेमंद बनाने की दिशा में यह कदम उत्तर प्रदेश के लिए एक नई शुरुआत साबित हो सकता है।

स्वतंत्रता दिवस पर भारत खेलेगा ऐतिहासिक 600वां टेस्ट मुकाबला

शुभमन गिल की कप्तानी में रचेगी टीम इंडिया नया इतिहास

इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया के बाद भारत बनेगा तीसरा टेस्ट दिग्गज देश

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम श्रीलंका दौरे के लिए पहुंच चुकी है, जहां 15 अगस्त से दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला का आगाज होगा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गॉल में खेला जाने वाला पहला मुकाबला भारतीय क्रिकेट इतिहास में विशेष महत्व रखेगा। यह भारत का 600वां टेस्ट मैच होगा और इसी के साथ भारत दुनिया का तीसरा देश बन जाएगा, जिसने टेस्ट क्रिकेट में 600 मैचों का आंकड़ा छू लिया है।

इस ऐतिहासिक मुकाबले में टीम इंडिया की कमान युवा कप्तान शुभमन गिल के हाथों में होगी। उनके नेतृत्व में भारतीय टीम एक नई उपलब्धि अपने नाम दर्ज करने के साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अभियान की भी शुरुआत करेगी।

क्रिकेट प्रेमियों के लिए यह मैच केवल एक श्रृंखला का पहला मुकाबला नहीं, बल्कि भारतीय टेस्ट क्रिकेट की गौरवशाली यात्रा का अहम पड़ाव होगा।

भारत ने अपना पहला टेस्ट मैच वर्ष 1932 में सीके नायडू की कप्तानी में खेला था। तब से लेकर अब तक टीम ने कई यादगार जीत, ऐतिहासिक रिकॉर्ड और दिग्गज खिलाड़ियों की बदौलत टेस्ट क्रिकेट में अपनी अलग पहचान बनाई है।

अब तक भारत 599 टेस्ट मुकाबले खेल चुका है, जिनमें 186 में जीत, 188 में हार, 224 ड्रॉ और एक मुकाबला टाई रहा है। टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक मैच खेलने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के नाम है, जिसने अब तक 1097 टेस्ट खेले हैं।

दूसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया है, जिसके खाते में 882 टेस्ट मैच दर्ज हैं। अब भारत भी इस विशिष्ट सूची में शामिल होकर टेस्ट क्रिकेट के सबसे अनुभवी देशों में अपना स्थान और मजबूत करेगा।

श्रीलंका के खिलाफ यह श्रृंखला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा भी है, इसलिए इसकी प्रतिस्पर्धात्मक अहमियत और बढ़ जाती है। भारतीय टीम की नजर ऐतिहासिक 600वें टेस्ट को जीत के साथ यादगार बनाने पर होगी। स्वतंत्रता दिवस पर मिलने वाला यह गौरव भारतीय क्रिकेट के स्वर्णिम इतिहास में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ देगा।

अस्सी के दशक की मल्टीस्टार फिल्मों ने रचा इतिहास

कई सुपरस्टार एक साथ आए, दर्शकों को मिला भरपूर मनोरंजन

यादगार गीत, शानदार अभिनय फिल्मों की बनी पहचान

यूनिक समय, नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा का 80 का दशक मल्टीस्टारर फिल्मों के स्वर्णिम दौर के रूप में याद किया जाता है। उस समय निर्माता एक ही फिल्म में कई बड़े सितारों को लेकर ऐसी कहानियां पर्दे पर उतारते थे, जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर शानदार सफलता हासिल की। इन फिल्मों के दमदार संवाद, यादगार गीत और बेहतरीन अभिनय ने दर्शकों के दिलों में स्थायी जगह बनाई।

1981 में रिलीज हुई क्रांति और नसीब ने मल्टीस्टारर फिल्मों का नया मानदंड स्थापित किया। इसके बाद कुली, कर्मा और राम लखन जैसी फिल्मों ने भी जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की। इन फिल्मों में अमिताभ बच्चन, दिलीप कुमार, अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ, ऋषि कपूर, श्रीदेवी, माधुरी दीक्षित और कई दिग्गज कलाकारों ने एक साथ अभिनय किया। इन फिल्मों की सफलता केवल स्टारकास्ट तक सीमित नहीं रही। 'जिंदगी की ना टूटे लड़ी', 'जॉन जानी जनार्दन', 'दिल दिया है जान भी देंगे' और 'माय नेम इज लखन' जैसे गीत आज भी लोगों की पसंद बने हुए हैं। दमदार कहानी, संगीत और सितारों के शानदार अभिनय ने इन फिल्मों को हिंदी सिनेमा की सदाबहार क्लासिक फिल्मों में शामिल कर दिया। आज भी टीवी और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इन फिल्मों को दर्शक उसी उत्साह के साथ देखते हैं, जैसा रिलीज के समय देखा था।

टेस्ट सीरीज से पहले ऑस्ट्रेलिया को लगा बड़ा झटका

चोटिल माइकल नेसर कई सप्ताह मैदान से रहेंगे बाहर

इंग्लिस के फिट होने की उम्मीद टीम प्रबंधन ने जताई

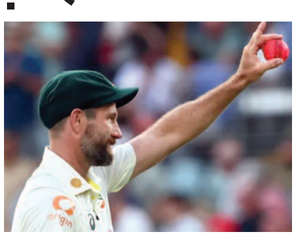

यूनिक समय, नई दिल्ली। बांग्लादेश के खिलाफ 13 अगस्त से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम को बड़ा झटका लगा है। अनुभवी तेज गेंदबाज माइकल नेसर अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल हो गए हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अनुसार उनके दाहिने पैर की पिंडली में चोट आई है, जिसके कारण वह कई सप्ताह तक क्रिकेट से दूर रहेंगे।

36 वर्षीय नेसर ब्रिस्बेन में टेस्ट टीम के साथ प्रशिक्षण के दौरान चोटिल हुए। हालांकि उन्हें पहले टेस्ट के लिए घोषित 13 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं किया गया था, लेकिन पैट कमिंस और जोश हेजलवुड की फिटनेस को देखते हुए उन्हें बैकअप विकल्प माना जा रहा था। अब चोट के कारण उनकी वापसी में समय लगेगा। माइकल नेसर हाल के वर्षों में लगातार फिटनेस समस्याओं से जूझते रहे हैं। इससे पहले भी हैमस्ट्रिंग और पिंडली की चोटों के कारण उनका घरेलू और काउंटी सीजन प्रभावित हुआ था। टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि वह अक्टूबर में दक्षिणअफ्रीका के खिलाफ होने वाली टेस्ट श्रृंखला तक पूरी तरह फिट हो जाएंगे।

वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज जोश इंग्लिस अभ्यास मैच के दौरान पीठ में ऐंठन से परेशान हुए, लेकिन मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने उनकी चोट को गंभीर नहीं बताया है। ऑस्ट्रेलियाई टीम को उम्मीद है कि इंग्लिस बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के लिए समय पर उपलब्ध रहेंगे।

प्रीति जिंटा संग अफेयर की अफवाहों पर ब्रेट ने तोड़ी चुप्पी

दोस्ती थी, लेकिन रिश्ते की खबरें पूरी तरह गलत

मुंबई से जुड़ी यादें आज भी हैं दिल के करीब

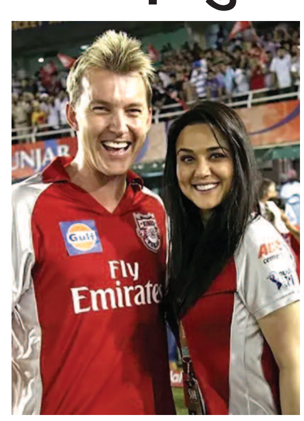

यूनिक समय, नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने अभिनेत्री प्रीति जिंटा के साथ अपने कथित अफेयर की अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया है। मुंबई दौरे के दौरान दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने स्पष्ट कहा कि उन्होंने कभी किसी बॉलीवुड अभिनेत्री को डेट नहीं किया। ली ने बताया कि प्रीति जिंटा उनकी अच्छी दोस्त थीं और आज भी दोनों के बीच सम्मानजनक दोस्ती कायम है।

ब्रेट ली ने कहा कि उस समय प्रीति जिंटा आईपीएल फ्रेंचाइजी पंजाब टीम की सह–मालकिन थीं। दोनों के नाम को लेकर कई तरह की चर्चाएं हुईं, लेकिन उन्होंने कभी इन अफवाहों को गंभीरता से नहीं लिया। उनके अनुसार, लोगों की अटकलों से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ा क्योंकि वह सच्चाई जानते थे।

ब्रेट ली ने भारत और खासकर मुंबई से अपने पुराने जुड़ाव का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि 1994 में पहली बार अंडर–19 टीम के साथ मुंबई आए थे और ऑटो रिक्शा में सफर करते हुए एआर रहमान का मशहूर गीत 'मुकाबला' पहली बार सुना था। ली ने कहा कि आज भी भारतीय प्रशंसकों का प्यार उन्हें विशेष महसूस कराता है और मुंबई उनके लिए दूसरे घर जैसी है।

बेटी रीवा ने मजेदार अंदाज में ट्रोल किए रवि किशन

यूनिक समय, नई दिल्ली। भोजपुरी अभिनेता, बॉलीवुड कलाकार और सांसद रवि किशन इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल मीम्स को लेकर चर्चा में हैं। अब उनकी बेटी रीवा किशन ने भी इसी ट्रेंड में शामिल होकर एक मजेदार इंस्टाग्राम रील साझा की है, जिसे इंटरनेट पर खूब पसंद किया जा रहा है।

वीडियो में रवि किशन लाल रंग के एक टेलीफोन बूथ के अंदर फोन पर व्यस्त दिखाई देते हैं, जबकि बाहर खड़ी रीवा अपनी बारी का इंतजार करती रहती हैं। इस हल्के–फुल्के दृश्य को हास्यपूर्ण अंदाज में फिल्माया गया है। रीवा ने वीडियो के साथ कैप्शन लिखा, "मुझे भी बात करनी थी मां से", जिसने लोगों का ध्यान खींच लिया। पोस्ट के कुछ ही घंटों में रील को लाखों व्यूज मिल गए।

सोशल मीडिया यूजर्स भी इस वीडियो पर दिलचस्प प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कई लोगों ने पिता–बेटी की इस मजेदार जुगलबंदी की सराहना की, जबकि कुछ ने इसे रवि किशन पर बना अब तक का सबसे मनोरंजक मीम बताया।

दरअसल, हाल ही में एक रियलिटी शो के दौरान रवि किशन का "देश की सेवा" वाला बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। उसी ट्रेंड को आगे बढ़ाते हुए रीवा ने यह रील बनाई, जिसने फैंस का भरपूर मनोरंजन किया। भोजपुरी अभिनेता, बॉलीवुड कलाकार और सांसद रवि किशन इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल मीम्स को लेकर चर्चा में हैं। अब उनकी बेटी रीवा किशन ने भी इसी ट्रेंड में शामिल होकर एक मजेदार इंस्टाग्राम रील साझा की है, जिसे इंटरनेट पर खूब पसंद किया जा रहा है। वीडियो में रवि किशन लाल रंग के एक टेलीफोन बूथ के अंदर फोन पर व्यस्त दिखाई देते हैं, जबकि बाहर खड़ी रीवा अपनी बारी का इंतजार करती रहती हैं। इस हल्के–फुल्के दृश्य को हास्यपूर्ण अंदाज में फिल्माया गया है। रीवा ने वीडियो के साथ कैप्शन लिखा, "मुझे भी बात करनी थी मां से", जिसने लोगों का ध्यान खींच लिया। पोस्ट के कुछ ही घंटों में रील को लाखों व्यूज मिल गए।

सोशल मीडिया यूजर्स भी इस वीडियो पर दिलचस्प प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कई लोगों ने पिता–बेटी की इस मजेदार जुगलबंदी की सराहना की, जबकि कुछ ने इसे रवि किशन पर बना अब तक का सबसे मनोरंजक मीम बताया।

दरअसल, हाल ही में एक रियलिटी शो के दौरान रवि किशन का "देश की सेवा" वाला बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। उसी ट्रेंड को आगे बढ़ाते हुए रीवा ने यह रील बनाई, जिसने फैंस का भरपूर मनोरंजन किया।

संघर्ष से शिखर पर पहुंचे ऋषभ पंत बने सबसे बड़े टैक्सदाता

गुरुद्वारे में बिताईं रातें मेहनत ने बदली पूरी तकदीर

रिकॉर्ड टैक्स भुगतान बना सफलता और जिम्मेदारी की पहचान

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने संघर्ष, मेहनत और प्रतिभा के दम पर एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025–26 में उन्होंने 23.84 करोड़ रुपये आयकर जमा किया, जिससे वह उत्तराखंड के सबसे अधिक इनकम टैक्स देने वाले व्यक्तिगत करदाता बन गए हैं। वहीं कॉरपोरेट श्रेणी में ओएनजीसी ने सबसे अधिक टैक्स जमा किया है।

ऋषभ पंत की सफलता केवल क्रिकेट मैदान तक सीमित नहीं है, बल्कि उनकी जीवन यात्रा भी लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा मानी जाती है। एक समय ऐसा था जब बेहतर क्रिकेट प्रशिक्षण के लिए दिल्ली पहुंचे पंत के पास रहने की स्थायी व्यवस्था नहीं थी। बताया जाता है कि शुरुआती दिनों में वह मोतीबाग स्थित गुरुद्वारे में ठहरते थे और वहीं लंगर खाकर रोजाना अभ्यास के लिए जाया करते थे। बाद में चयन होने के बाद उन्होंने किराये का कमरा लिया और पूरी लगन से अपने क्रिकेट करियर को आगे बढ़ाया।

4 अक्टूबर 1997 को हरिद्वार में जन्मे ऋषभ पंत मूल रूप से रुड़की के रहने वाले हैं। उनका क्रिकेट करियर दिल्ली के प्रसिद्ध सोनेट क्रिकेट क्लब से निखरा, जहां गुरु द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित दिवंगत कोच तारक सिन्हा ने उनकी प्रतिभा को पहचाना। कठोर प्रशिक्षण और लगातार मेहनत के दम पर उन्होंने भारतीय टीम में जगह बनाई और आज दुनिया के प्रमुख विकेटकीपर बल्लेबाजों में गिने जाते हैं।

आईपीएल में भी ऋषभ पंत लगातार चर्चा में रहे हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स ने उन्हें रिकॉर्ड 27 करोड़ रुपये में अपनी टीम से जोड़ा था। इसके अलावा वह बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध के ग्रेड 'ए' में शामिल हैं, जिससे उन्हें वार्षिक पारिश्रमिक भी मिलता है। विज्ञापन, ब्रांड एंडोर्समेंट और अन्य स्त्रोतों से भी उनकी आय करोड़ों रुपये में आंकी जाती है।

गुरुद्वारे में रातें बिताने वाले एक युवा क्रिकेटर से लेकर उत्तराखंड के सबसे बड़े व्यक्तिगत टैक्सदाता बनने तक का सफर यह साबित करता है कि मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के बल पर किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

शामली मुठभेड़ में एक लाख का इनामी फुरकान हुआ ढेर

मुकीम काला गैंग से जुड़ा था कुख्यात अपराधी

हत्या, रंगदारी समेत बीस मुकदमों में था आरोपी

यूनिक समय, शामली। शामली जिले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। कैराना निवासी एक लाख रुपये के इनामी बदमाश फुरकान को पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया। पुलिस के अनुसार फुरकान कुख्यात मुकीम काला गैंग का सक्रिय सदस्य था और उसके खिलाफ हत्या, रंगदारी, लूट, डकैती तथा गैंगस्टर एक्ट समेत 20 से अधिक मुकदमे दर्ज थे। वह लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से फरार चल रहा था।

पुलिस को बुधवार दोपहर सूचना मिली कि फुरकान झिंझाना क्षेत्र के गांव रंगाना के जंगल में छिपा हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर इलाके की घेराबंदी कर दी। पुलिस के अनुसार बदमाश ने खुद को घिरा देखकर फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने भी कार्रवाई की। मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से फुरकान घायल हो गया। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक फुरकान कैराना क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियों के लिए कुख्यात था। उसका नाम कैराना पलायन प्रकरण में भी सामने आया था। वर्ष 2014 में उसने व्यापारी नेता विनोद सिंघल की दिनदहाड़े हत्या की थी। पुलिस के अनुसार रंगदारी नहीं देने पर की गई इस हत्या के बाद क्षेत्र में भय का माहौल बना और कई व्यापारियों ने कैराना से पलायन किया था।

पुलिस का कहना है कि फुरकान की मौत से क्षेत्र में सक्रिय अपराधियों पर बड़ा प्रभाव पड़ेगा। मुकीम काला गैंग के सदस्य शामली समेत आसपास के जिलों में सक्रिय रहे हैं। पुलिस अधिकारियों ने कहा है कि अपराध और संगठित गिरोहों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा, ताकि आम लोगों में सुरक्षा का भरोसा मजबूत किया जा सके।

तमिलनाडु एक्सप्रेस ट्रेन में मिला मानव अंगों से भरा बैग, मचा हड़कम्प

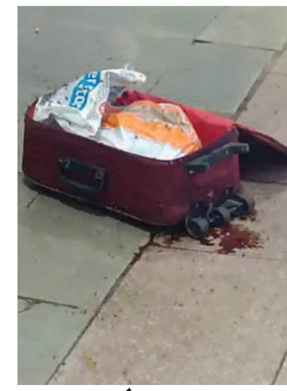

आगरा स्टेशन पर ट्रेन रोककर पुलिस ने की जांच

चेन्नई टैग वाले बैग से हत्या की आशंका बढ़ी

यूनिक समय, आगरा। आगरा में बुधवार सुबह तमिलनाडु एक्सप्रेस के जनरल कोच में मानव अंगों से भरा ट्रॉली बैग मिलने से सनसनी फैल गई। चेन्नई से नई दिल्ली जा रही ट्रेन में रखे बैग से खून निकलने और दुर्गंध आने की सूचना यात्री ने रेलवे कंट्रोल रूम को दी थी। सूचना मिलते ही जीआरपी और आरपीएफ सक्रिय हो गईं।

ट्रेन के आगरा कैंट स्टेशन पहुंचने पर पुलिस टीम ने जनरल कोच से संदिग्ध ट्रॉली बैग को कब्जे में लिया। जांच के दौरान बैग खोलने पर उसमें मानव शरीर के कटे हुए हिस्से मिले। पुलिस के अनुसार बैग में हाथ का पंजा और शरीर का धड़ बरामद हुआ है। सभी अंगों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

प्रारंभिक जांच में बैग पर चेन्नई का रैपर और टैग मिला है, जिससे आशंका जताई जा रही है कि इसे वहीं से ट्रेन में रखा गया होगा। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीमें आगरा से चेन्नई तक रेलवे स्टेशनों के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही हैं। पुलिस गुमशुदगी और हत्या से जुड़े मामलों की जानकारी जुटाने के लिए चेन्नई पुलिस से भी संपर्क कर रही है। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से नमूने जुटाए हैं और डीएनए जांच के जरिए मृतक की पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

आयोग रिपोर्ट में खुलासा, संभल में हिंसा पूर्व नियोजित साजिश थी

रिपोर्ट में कई नेताओं की भूमिका का किया उल्लेख

यूनिक समय, संभल। शाही जामा मस्जिद सर्वे के दौरान 24 नवंबर 2024 को संभल में हुई हिंसा को न्यायिक जांच आयोग ने पूर्व नियोजित साजिश करार दिया है। न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) देवेंद्र कुमार अरोड़ा की अध्यक्षता वाले तीन सदस्यीय आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि हिंसा से पहले माहौल को जानबूझकर तनावपूर्ण बनाया गया। रिपोर्ट में संभल के सांसद जिया-उर-रहमान बर्क, विधायक इकबाल महमूद के पुत्र सुहेल इकबाल तथा जामा मस्जिद इंतजामिया कमेटी के कुछ पदाधिकारियों की भूमिका का उल्लेख किया गया है।

आयोग के अनुसार सर्वे को लेकर समुदाय के बीच गलत जानकारी फैलाकर लोगों को भड़काया गया। 24 नवंबर को बड़ी संख्या में लोग मस्जिद के आसपास एकत्र हुए, जिसके बाद पथराव, आगजनी और गोलीबारी की घटनाएं हुईं। रिपोर्ट में कहा गया कि कई उपद्रवियों ने अपने चेहरे ढक रखे थे और पुलिस पर हमला करने के साथ सरकारी संपत्ति को भी नुकसान पहुंचाया गया।

रिपोर्ट में पोस्टमार्टम और बैलिस्टिक जांच का हवाला देते हुए कहा गया है कि हिंसा में मारे गए चारों लोगों की मौत पुलिस की गोली से नहीं हुई। आयोग ने पुलिस और प्रशासन की कार्रवाई को प्रभावी बताते हुए कहा कि समय रहते सुरक्षा व्यवस्था और संयमित कदमों से स्थिति को बड़े सांप्रदायिक दंगे में बदलने से रोक लिया गया। साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कई सुझाव भी दिए गए हैं।

लखनऊ–कानपुर एक्सप्रेस–वे पर मरम्मत होने तक टोल वसूली बंद

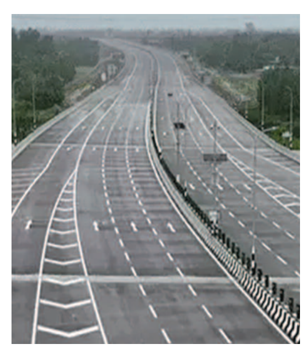

बारिश में धंसने के बाद एनएचएआई ने लिया फैसला

निर्माण कंपनी पर कार्रवाई इंजीनियरों को हटाया

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस–वे पर लगातार सड़क धंसने की घटनाओं के बाद भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने बड़ा फैसला लिया है। एक्सप्रेस–वे पूरी तरह दुरुस्त होने तक वाहनों से टोल टैक्स नहीं वसूला जाएगा। एनएचएआई ने निर्माण कंपनी को नॉन–परफॉर्मर घोषित करते हुए उसके खिलाफ कार्रवाई भी शुरू कर दी है।

63 किलोमीटर लंबे इस एक्सप्रेस–वे का निर्माण करीब 4700 करोड़ रुपये की लागत से हुआ है। उद्घाटन के कुछ ही दिनों बाद बारिश के कारण कई स्थानों पर सड़क धंसने और दरारें आने की शिकायतें सामने आई थीं। एनएचएआई अधिकारियों के अनुसार, एक्सप्रेस–वे की खामियां दूर करने में करीब तीन करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है, जिसका भुगतान निर्माण कंपनी को करना होगा।

एनएचएआई ने परियोजना से प्रोजेक्ट मैनेजर और दो इंजीनियरों को हटा दिया है। संबंधित अधिकारियों को भविष्य में दो साल तक एनएचएआई की परियोजनाओं में शामिल नहीं किया जाएगा। साथ ही निर्माण में लापरवाही को लेकर नोटिस भी जारी किए गए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि एक्सप्रेस–वे के कई हिस्सों में मरम्मत कार्य तेजी से चल रहा है। सड़क पूरी तरह सुरक्षित घोषित होने के बाद ही टोल वसूली दोबारा शुरू की जाएगी। यह एक्सप्रेस–वे देश का पहला बैरियर–लेस एक्सप्रेस–वे है, जहां आधुनिक कैमरा और फास्टैग तकनीक से टोल भुगतान की व्यवस्था की गई है।

विधानसभा अध्यक्ष महाना हुए भावुक बोले– राजनीति अंतिम चरण में

सदन की गरिमा को लेकर जताई गहरी चिंता

हंगामे के बाद आत्ममंथन करने की बात कही

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान सदन में हुए हंगामे से विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि उनका राजनीतिक जीवन अब अंतिम चरण में है और उन्हें विचार करना होगा कि वह विधानसभा अध्यक्ष पद के योग्य हैं या नहीं। उन्होंने सदन की गरिमा और लोकतांत्रिक परंपराओं को लेकर चिंता जताई।

महाना ने कहा कि पिछले साढ़े चार वर्षों से उन्होंने सदन को संवाद और सम्मान के साथ चलाने का प्रयास किया, लेकिन हाल की घटनाओं से उन्हें आत्ममंथन की आवश्यकता महसूस हो रही है। उन्होंने कहा कि जल्द ही वह इस संबंध में निर्णय लेंगे।

वहीं, विधानसभा में लगातार हंगामे के बीच कई विधेयक बिना चर्चा के पारित हुए और बाद में सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्ष ने शिक्षक भर्ती और राम मंदिर चढ़ावा मामले को लेकर विधानसभा परिसर में प्रदर्शन जारी रखा। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सपा पर लोकतांत्रिक परंपराओं का सम्मान नहीं करने का आरोप लगाया और कहा कि सदन में मुख्यमंत्री को बोलने का अवसर नहीं दिया गया।

प्रोफेसर पत्नी से पति ने मांगी 50 लाख की रंगदारी

पिस्टल तस्वीर भेजकर धमकाने का लगाया गंभीर आरोप

हरीपर्वत थाने में मुकदमा दर्ज, जांच में जुटी पुलिस

यूनिक समय, आगरा। आगरा में एक असिस्टेंट प्रोफेसर महिला ने अपने पति पर 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगने और धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता सेंट जोंस कॉलेज में कार्यरत हैं। उनकी शिकायत पर थाना हरीपर्वत में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। महिला का आरोप है कि पति ने व्हाट्सएप के जरिए पिस्टल की तस्वीर भेजकर रुपये की मांग की। रकम नहीं देने पर जान से मारने, सोशल मीडिया पर बदनाम करने और नौकरी छुड़वाने की धमकी दी गई। पीड़िता ने आरोप लगाया कि पति लगातार मानसिक रूप से परेशान कर रहा है और परिवार को भी नुकसान पहुंचाने की चेतावनी दी है। शिकायत में महिला ने बताया कि शादी के बाद से ही पति के व्यवहार से वह परेशान थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि पति आर्थिक जिम्मेदारियां नहीं निभाता था और मारपीट भी करता था। वर्ष 2019 में असिस्टेंट प्रोफेसर बनने के बाद परेशानियां और बढ़ गईं। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। अब व्हाट्सएप चैट, धमकी भरे संदेश और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जनेश्वर जयंती पर सपा ने दिखाया बड़ा शक्ति प्रदर्शन

अखिलेश ने पीडीए की नई व्याख्या सामने रखी

प्रबुद्धजन सम्मेलन में 2027 बदलाव का दावा दोहराया

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ में समाजवादी विचारक और पूर्व केंद्रीय मंत्री जनेश्वर मिश्र की जयंती पर समाजवादी पार्टी ने बुधवार को शक्ति प्रदर्शन किया। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जनेश्वर मिश्र पार्क पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे और उनके स्वागत में नारे लगाए गए। सुरक्षा व्यवस्था के बीच अखिलेश यादव प्रतिमा स्थल तक पहुंचे और श्रद्धांजलि अर्पित की।

इसके बाद वह पार्टी कार्यालय में आयोजित प्रबुद्धजन सम्मेलन में शामिल हुए, जहां उन्होंने पीडीए की नई व्याख्या प्रस्तुत करते हुए कहा कि पीडीए में 'पी' का अर्थ 'पंडित' भी है। उन्होंने कहा कि सभी वर्गों को साथ लेकर समाजवादी पार्टी 2027 के विधानसभा चुनाव में बदलाव लाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने भाजपा पर पीडीए की राजनीति से घबराने का आरोप लगाते हुए कहा कि जनता आगामी चुनाव में जवाब देगी।

सम्मेलन में अखिलेश यादव ने जनेश्वर मिश्र के समाजवादी विचारों को पार्टी की प्रेरणा बताया और कहा कि उनके आदर्श आज भी कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन कर रहे हैं। वहीं पूर्व मंत्री अभिषेक मिश्रा ने भाजपा सरकार पर फर्जी एनकाउंटर कराने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यदि प्रदेश में सपा की सरकार बनती है तो कथित फर्जी एनकाउंटरों की जांच कराई जाएगी और दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

छात्र प्रदर्शन मामलों पर सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

युवाओं से संवाद जरूरी, पुलिस भी संयम बरतें : मुख्य न्यायाधीश

यूनिक समय, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों को वापस लेने की मांग से जुड़े मामले पर बुधवार को महत्वपूर्ण सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने अदालत में दलील दी कि यदि राजनीतिक निर्णय के आधार पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज मामले वापस लिए गए तो इससे भविष्य में गलत मिसाल कायम होगी। उन्होंने कहा कि इससे आने वाली पीढ़ियां भी इसी तरह के आंदोलनों को अपनाने के लिए प्रेरित हो सकती हैं।

याचिका में केंद्र और राज्य सरकारों को यह निर्देश देने की मांग की गई है कि हाल के छात्र आंदोलनों में हिंसा से

जुड़े मामलों को केवल राजनीतिक समझौते के आधार पर वापस न लिया जाए। वकील ने यह भी कहा कि किसी भी प्रदर्शन के दौरान यदि हिंसा या कानून–व्यवस्था की समस्या उत्पन्न होती है तो उसके आयोजकों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। उनका

मामलों की वापसी पर वकील ने जताई गंभीर चिंता

तर्क था कि केवल प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई या उन्हें राहत देने के बजाय आयोजकों की भूमिका की भी निष्पक्ष जांच आवश्यक है।

सुनवाई के दौरान भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि ऐसे मामलों में अत्यधिक सावधानी बरतने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि युवा समाज का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और उन्हें दंडित करने से अधिक आवश्यक है कि उनकी बात सुनी जाए तथा उचित मार्गदर्शन दिया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य की ओर से किसी भी प्रकार की आक्रामक कार्रवाई हालात को और बिगाड़ सकती है तथा हिंसा को बढ़ावा दे सकती है।

मुख्य न्यायाधीश ने पुलिस को भी संयम बरतने की सलाह देते हुए कहा कि कानून–व्यवस्था बनाए रखने के साथ–साथ यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि युवाओं का भरोसा लोकतांत्रिक व्यवस्था पर कायम रहे। सुनवाई के अंत में सर्वोच्च न्यायालय ने इस याचिका को छात्र प्रदर्शनों से जुड़े अन्य लंबित मामलों के साथ जोड़ते हुए आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया।

अनुच्छेद 370 की वर्षगांठ पर घाटी में कड़ी रही सुरक्षा

यूनिक समय, नई दिल्ली। जम्मू–कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाए जाने की सातवीं वर्षगांठ के अवसर पर बुधवार को पूरे केंद्र शासित प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। संवेदनशील इलाकों, प्रमुख बाजारों, सरकारी प्रतिष्ठानों और सीमा से सटे क्षेत्रों में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है।

सुरक्षा एजेंसियां जम्मू–श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग सहित विभिन्न मार्गों पर वाहनों और यात्रियों की गहन जांच कर रही हैं। रामबन और कुलगाम समेत कई जिलों में पहचान पत्रों की जांच और संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, संवेदनशील स्थानों पर लगातार निगरानी की जा रही है तथा

हाईवे, संवेदनशील इलाकों में कड़ी निगरानी लगातार रही जारी

वाहनों की जांच तेज, सुरक्षा बल पूरी तरह सतर्क

सुरक्षा बलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

प्रशासन ने कानून–व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से कई स्थानों पर विरोध प्रदर्शन और रैलियों की अनुमति नहीं दी है। उल्लेखनीय है कि 5 अगस्त 2019 को केंद्र सरकार ने अनुच्छेद 370 के अधिकांश प्रावधान समाप्त करते हुए तत्कालीन जम्मू–कश्मीर राज्य का पुनर्गठन कर उसे जम्मू–कश्मीर और लद्दाख दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित किया था।

देवेंद्र महतो ने सोनम के आग्रह पर किया जल ग्रहण

भूख हड़ताल अब भी जारी, स्वास्थ्य संभालने की सलाह

यूनिक समय, नई दिल्ली। झारखंड की राजधानी रांची में जेपीएससी और जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में छात्रों का आंदोलन 12वें दिन भी जारी रहा। आंदोलन के समर्थन में अनशन पर बैठे जेएलकेएम के वरिष्ठ उपाध्यक्ष देवेंद्र महतो की बुधवार को पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक से वीडियो कॉल पर बातचीत हुई। बातचीत के दौरान वांगचुक ने उनसे स्वास्थ्य का ध्यान रखने और लंबे संघर्ष के लिए स्वयं को सुरक्षित रखने की सलाह दी। उनके आग्रह पर देवेंद्र महतो ने अपनी वाटर स्ट्राइक समाप्त कर जल ग्रहण कर लिया, लेकिन भूख हड़ताल जारी रखने का निर्णय बरकरार रखा। धरना स्थल पर चिकित्सकों की टीम लगातार महतो के स्वास्थ्य की निगरानी कर रही है।

वहीं आंदोलनकारी छात्रों ने दोहराया कि उनकी प्रमुख मांग जेपीएससी और जेएसएससी भर्ती मामलों की सीबीआई जांच, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई तथा पूरी भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाना है। छात्रों का आरोप है कि भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों से युवाओं का विश्वास कमजोर हुआ है और योग्य अभ्यर्थियों के साथ अन्याय हुआ है। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी मांगों पर सरकार सकारात्मक निर्णय नहीं लेती, तब तक उनका आंदोलन और भूख हड़ताल जारी रहेगी।

अनुच्छेद 370 हटने पर मोदी ने गिनाईं उपलब्धियां

यूनिक समय, नई दिल्ली। जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35(ए) हटाए जाने के सात वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पांच अगस्त 2019 से जम्मू–कश्मीर और लद्दल्लाख में विकास का नया अध्याय शुरू हुआ। उन्होंने कहा कि पिछले सात वर्षों में दोनों क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का तेजी से विस्तार हुआ है, जबकि शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्यमिता और खेल जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय संविधान पूरी तरह लागू होने से महिलाओं, वंचित वर्गों और सभी नागरिकों को समान संवैधानिक अधिकार तथा नए अवसर प्राप्त हुए हैं। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर जारी संदेश में कहा कि यह निर्णय राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने वाला ऐतिहासिक कदम साबित हुआ। उन्होंने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका राष्ट्रहित का सपना 5 अगस्त 2019 को साकार हुआ। उन्होंने भरोसा दिलाया कि केंद्र सरकार जम्मू–कश्मीर

विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य क्षेत्रों में तेज बदलाव का दावा

समान अधिकार मिलने से नागरिकों को नए अवसर मिले

और लद्दाख के समग्र विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करती रहेगी। वहीं, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस दिन को भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता का स्वर्णिम दिवस बताते हुए कहा कि यह निर्णय राष्ट्र निर्माण की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि है।

ट्रंप गोल्फ क्लब के बाहर हथियार बंद संदिग्ध गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कैलिफोर्निया दौरे से पहले सुरक्षा एजेंसियों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लॉस एंजिलिस के पास स्थित ट्रंप नेशनल गोल्फ क्लब के बाहर एक संदिग्ध व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों के अनुसार, 38 वर्षीय जीनिन जॉन टेले की कार से एक पिस्टल और प्रतिबंधित आर्मर–पियर्सिंग गोलियां बरामद हुई हैं। संदिग्ध की गतिविधियां गोल्फ क्लब की पार्किंग के आसपास संदिग्ध मिलने पर उसे हिरासत में लिया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी क्लब परिसर के आसपास फोटो और वीडियो बना रहा था तथा सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण करता दिखाई दिया। इसके

पिस्टल, प्रतिबंधित गोलियां बरामद, सुरक्षा एजेंसियां हुईं सतर्क

बाद मामले की जांच अमेरिकी सीक्रेट सर्विस और एफबीआई की संयुक्त आतंकवाद निरोधक इकाई को सौंप दी गई है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि आरोपी के इरादे क्या थे और क्या वह किसी बड़ी साजिश का हिस्सा था। ट्रंप इस सप्ताह कैलिफोर्निया में एक कार्यक्रम में शामिल होने वाले हैं। हाल के वर्षों में उन पर हमले और हमले की कोशिशों की घटनाओं को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है।

परिसीमन विधेयक पर विशेष सत्र की तैयारी हुई तेज

यूनिक समय, नई दिल्ली। परिसीमन विधेयक को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। सूत्रों के अनुसार केंद्र सरकार 15 अगस्त के बाद 16 से 18 अगस्त के बीच संसद का विशेष सत्र बुलाने की तैयारी कर रही है। इस दौरान परिसीमन विधेयक पर चर्चा कर उसे पारित कराने का प्रयास किया जा सकता है। संसद में जारी गतिरोध खत्म करने के लिए संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बीच लंबी बातचीत भी हुई। माना जा रहा है कि बैठक में विशेष सत्र और विधेयक से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। सूत्रों के मुताबिक सरकार विभिन्न राजनीतिक दलों से संपर्क कर व्यापक सहमति बनाने की कोशिश कर रही है। विपक्षी दलों से संवाद की जिम्मेदारी कई केंद्रीय मंत्रियों को सौंपी गई है, ताकि संसद की कार्यवाही सुचारु रूप से चल सके। इसी बीच सरकार अगले सप्ताह एफसीआरए संशोधन विधेयक 2026 भी संसद में पेश करने की तैयारी में है। हालांकि विशेष सत्र की तिथि और एजेंडा को लेकर अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। कांग्रेस पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि यदि परिसीमन विधेयक संसद में लाया जाता है तो वह इसका विरोध करेगी।

तमिलनाडु बजट में महिलाओं और छात्रों को मिली बड़ी सौगात

यूनिक समय, नई दिल्ली। तमिलनाडु सरकार ने विधानसभा में अपना पहला बजट पेश करते हुए महिलाओं, छात्रों और युवाओं के लिए कई नई योजनाओं की घोषणा की। महिलाओं के लिए 'सोने का सिक्का एवं रेशमी साड़ी योजना' के लिए 812 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। वहीं सरकारी और सहायता प्राप्त विद्यालयों में 11वीं कक्षा के विद्यार्थियों को हेलमेट और पानी की बोतल के साथ आधुनिक साइकिलें उपलब्ध कराई जाएंगी। इस योजना पर 277 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

बजट में पहली बार हज यात्रा पर जाने वाले लोगों के लिए सब्सिडी 25 हजार रुपये से बढ़ाकर 35 हजार रुपये करने की घोषणा भी की गई। सरकार ने युवाओं को खेलों से जोड़ने के लिए राज्यभर में 10 ओलंपिक विशेष केंद्र

महिलाओं हेतु सोना रेशमी साड़ी योजना को मंजूरी

छात्रों को आधुनिक साइकिल, खेल सुविधाएं भी मिलेंगी

स्थापित करने और ग्रामीण खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन का भी ऐलान किया। इसके अलावा पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन विभाग के लिए 1,762 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। कच्चे मकानों को पक्का बनाने की सहायता राशि बढ़ाकर पांच लाख रुपये कर दी गई है। सरकार ने बजट में पारदर्शिता, खेल, आवास और सामाजिक कल्याण योजनाओं पर विशेष जोर देने का दावा किया।

मोदी वीडियो विवाद पर मेटा को तीन दिन का अल्टीमेटम

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक वीडियो फेसबुक से हटाए जाने के मामले में मेटा की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। संसदीय समिति ने मेटा के प्रमुख मार्क जुकरबर्ग से तीन दिन के भीतर बिना शर्त माफी मांगने को कहा है। समिति ने संकेत दिया है कि तय समय में संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर कंपनी को भारत में आईटी कानून के तहत मिलने वाली कुछ कानूनी सुरक्षा और छूट पर पुनर्विचार किया जा सकता

है। इसी मामले को लेकर आईटी मंत्रालय और मेटा के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच दो दिवसीय बैठक शुरू हुई है।

संसदीय समिति ने बिना शर्त माफी मांगने को कहा

आईटी मंत्रालय ने मेटा अधिकारियों संग बैठक की शुरू

सरकार कंपनी की कंटेंट मॉडरेशन व्यवस्था, भारतीय कानूनों के अनुपालन और वीआईपी खातों की सुरक्षा प्रणाली की समीक्षा कर रही है। साथ ही व्हाट्सएप की यूजरनेम नीति और इंस्टाग्राम पर आपत्तिजनक सामग्री से जुड़े मुद्दों पर भी जवाब मांगे जा रहे हैं। बताया गया कि 23 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा साझा किया गया वीडियो कुछ समय के लिए फेसबुक से हट गया था। बाद में मेटा ने इसे तकनीकी त्रुटि बताते हुए दोबारा बहाल कर दिया। सरकार अब इस घटना की पूरी जिम्मेदारी और भविष्य में ऐसी घटनाओं की रोकथाम को लेकर कंपनी से स्पष्ट जवाब चाहती है।

जिला महिला चिकित्सालय में में आयोजित हुआ कन्या जन्मोत्सव

नवजात बालिकाओं की माताओं को वितरित किए बेबी किट

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान ने मंगलवार को मथुरा दौरे के दौरान जिला महिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया, समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जनसुनवाई में महिलाओं की समस्याएं सुनीं और शक्ति संवाद कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। उन्होंने महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण और कल्याण योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए, संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

पीड़िता की बात सुनतीं महिला आयोग की अध्यक्ष डा. बबीता चौहान।

महिला आयोग अध्यक्ष ने योजनाओं की समीक्षा की 22 शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश

शक्ति संवाद में महिलाओं को आत्मनिर्भरता, योजनाओं की दी जानकारी

जिला महिला चिकित्सालय में आयोजित कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम के दौरान उन्होंने नवजात बालिकाओं के जन्म पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए 20 माताओं को बेबी किट वितरित की। गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म भी कराई गई। उन्होंने कहा कि बेटियों का जन्म समाज के लिए गर्व का विषय है,उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा के लिए सभी को मिलकर कार्य करना चाहिए।

लोक निर्माण विभाग के निरीक्षण भवन में महिला सुरक्षा एवं कल्याण योजनाओं की समीक्षा बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। समीक्षा के दौरान योजनाओं की प्रगति पर चर्चा करते हुए अध्यक्ष ने प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। जनसुनवाई में कुल 22 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें अधिकांश पुलिस और राजस्व विभाग से संबंधित थीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी मामलों का गुणवत्तापूर्ण-समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मथुरा ब्लाक में आयोजित शक्ति संवाद कार्यक्रम में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) से जुड़ी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। महिलाओं ने अपने अनुभव साझा किए और सुझाव भी दिए। डॉ. बबीता सिंह चौहान ने कहा कि कौशल विकास और स्वरोजगार योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना सरकार की प्राथमिकता है, प्रत्येक पात्र महिला तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जाएगा।

धौरेरा के जंगल में मिला बीपीटी थेरेपी के छात्र का शव

घर से गया था कॉलेज गला काट कर की गई हत्या

शव मिलने से इलाके में फैली दहशत

यूनिक समय, चौमुहां। थाना जैत के धौरेरा के जंगलों में जानवर चराने वाले लोगों ने एक कोठरी में एक शव पड़ा देखा। शव को देख कर इलाके में हड़कंप मच गया। युवक का गला कटा हुआ था। मृतक युवक की शिनाख्त नीमगांव गोवर्धन निवासी विपिन के रुप में हुई। बताया गया है कि धौरेरा के जंगल में गांव के कुछ युवक पशुओं को चरा रहे थे। जंगल में एक कोठरे में एक अज्ञात युवक का रक्त रंजित शव पड़ा देखा। युवक का गला किसी धारदार वस्तु से काटा गया था। कुछ ही देर में शव पड़े होने की खबर इलाके में जंगल की आग की तरह फैल गई। लोग शव को देखने के लिए जंगल पहुंचने लगे। पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक की शिनाख्त का प्रयास किया। पुलिस को युवक की शिनाख्त थाना गोवर्धन के नीमगांव निवासी विपिन के रुप में हुई। मृतक के चाचा नेत्रपाल ने बताया कि विपिन बीपीटी थेरेपी लास्ट ईयर का छात्र था। विपिन कल कॉलेज जाने की कहकर निकला था। इसके बाद वह घर नहीं लौटा। आज उसका शव जंगल में बरामद हुआ है। विपिन के घर न लौटने पर गोवर्धन पुलिस को इस बारे में सूचना दी गई थी। सीओ सदर का कहना है कि धोरेरा के जंगल में एक युवक का शव मिला है। उसके गले पर किसी धारदार वस्तु से काटने का निशान है। पुलिस की फील्ड यूनिट और उच्च अधिकारियों द्वारा भी घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

प्रियाकांत जू मंदिर पर लगाया स्वास्थ्य जांच शिविर

प्रियाकांत जू मंदिर में लगाए गए शिविर में जांच कराते धर्माचार्य देवकीनंदन

यूनिक समय, वृंदावन। प्रियाकांत जू मंदिर पर आयोजित 21 लाख पार्थिव शिवलिंग महोत्सव के अंतर्गत छह दिनों में 16 लाख 56 हजार पार्थिव शिवलिंग बनाकर अभिषेक पूर्ण किया। मंदिर पर श्रद्धालुओं के लिये चिकित्सा जांच को शिविर लगाया गया। आयोजन में शामिल हुये राजस्थान के राज्य गृहमंत्री जवाहर सिंह और मथुरा–वृंदावन नगर निगम के नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने व्यासपीठ पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। देवकीनंदन ने महाशिवपुराण कथा में श्रद्धालुओं को भक्ति और धर्म के मार्ग पर चलने का प्रवचन किया। शिविर में हीमोग्लोबिन, बीपी, शुगर, कोलेस्ट्रॉल, एसजीपीटी आदि की जांच कर परामर्श प्रदान किया। गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि सनातन संस्कृति के संरक्षण का दायित्व युवाओं का भी है। श्रवण कुमार के देश में यदि वृद्धाश्रम बनें और उनमें हमारे माता–पिता को रहना पड़े तो नौजवान बेटों के लिये शर्म की बात है। महाशिवपुराण कथा श्रवण कराते हुए देवकीनंदन ने कहा कि धर्म के मार्ग पर चलने वाले लोग बहुत मजबूत हो जाते हैं। आचार्य पंडित शिवशंकर द्विवेदी, ओम प्रकाश मिश्र, विनोद शुक्ला, दीपक पांडेय, राजकिशोर द्विवेदी, राहुल द्विवेदी आदि ने मंत्रोच्चार के मध्य विधि-विधान से पार्थिव शिवलिंग अभिषेक करवाया।

बिना सुरक्षा उपकरण बिजली लाइन पर काम, हादसे का खतरा बढ़ा

यूनिक समय, शेरगढ़। कस्बा में बिजली लाइन पर कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी का मामला सामने आया है। आरोप है कि ठेकेदार की देखरेख में कर्मचारी बिना आवश्यक सुरक्षा उपकरणों के ही विद्युत लाइन पर कार्य कर रहे हैं। इससे किसी भी समय हादसा होने की आशंका बनी हुई है।

बिना सुरक्षा उपकरण बिजली खंभे पर काम करते कर्मचारी।

स्थानीय लोगों के अनुसार, लाइन पर काम कर रहे कर्मचारियों के पास इन्सुलेटेड रबर के दस्ताने, सुरक्षा बेल्ट, हेलमेट और अन्य आवश्यक व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) उपलब्ध नहीं थे। विद्युत कार्य के दौरान इन सुरक्षा संसाधनों का उपयोग अनिवार्य माना जाता है, लेकिन मौके पर इनका अभाव दिखाई दिया। लोगों का कहना है कि मजदूरों की सुरक्षा के प्रति लापरवाही गंभीर चिंता का विषय है। स्थानीय नागरिकों ने आरोप लगाया कि संबंधित ठेकेदार, मास्टर और सुपरवाइजर राहुल द्वारा भी सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित नहीं कराया जा रहा है। इस संबंध में अवर अभियंता धीरज मिश्रा ने बताया कि उन्होंने ठेकेदार को कई बार सुरक्षा मानकों का पालन कराने के निर्देश दिए हैं, लेकिन अब तक अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है। क्षेत्रीय लोगों ने बिजली विभाग के उच्च अधिकारियों से मामले का संज्ञान लेकर ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई करने और सभी कर्मचारियों को आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि किसी संभावित दुर्घटना को रोका जा सके।

एसएसपी ने पुलिस पेंशनरों की समस्याओं के समाधान को दिए निर्देश

पुलिस पेंशनरों की बैठक में समस्याओं को सुनते एसएसपी श्लोक कुमार।

यूनिक समय, मथुरा। पुलिस लाइन स्थित सभागार में पुलिस पेंशनर्स के बुधवार को एसएसपी ने की बैठक में उनकी समस्याओं को सुना। समस्याओं के समाधान के अधिकारियों को निर्देश दिए।

एसएसपी श्लोक कुमार ने पुलिस लाइन स्थित सभागार में सेवा निवृत्त पुलिस कर्मचारियों की बैठक ली। एसएसपी ने मौजूद सभी पेंशनर्स की पेंशन से संबंधित लंबित प्रकरणों शिकायतों और चिकित्सा सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं को अत्यंत संवेदनशीलता और प्राथमिकता के साथ सुना, संबंधित अधिकारियों को पेंशनर्स की सभी समस्याओं का समयबद्ध,त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए। एसएसपी ने कहा कि सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी हमारे विभाग का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और उनके कल्याण व सम्मान का ध्यान रखना पुलिस प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। बैठक में विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में पुलिस पेंशनर्स उपस्थित रहे।

हर घर तिरंगा अभियान को लेकर हुई भाजपा की कार्यशाला

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय जनता पार्टी की जिला स्तरीय कार्यशाला बुधवार को जिला कार्यालय पुष्पांजलि में आयोजित की गई। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष ब्रज बहादुर भारद्वाज ने कहा कि तिरंगा देश की एकता, अखंडता और शहीदों के बलिदान का प्रतीक है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से 10 से 15 अगस्त तक जिलेभर में भव्य तिरंगा यात्राएं निकालकर "एक भारत–श्रेष्ठ भारत" और "विकसित भारत–2047" का संदेश जन–जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। अध्यक्षता करते हुए, जिलाध्यक्ष निर्भय पांडेय ने कार्यकर्ताओं को छह प्रमुख दायित्व सौंपते हुए कहा कि 10 से 14 अगस्त तक प्रत्येक मंडल में एक से दो किलोमीटर लंबी तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी, 13 अगस्त को जिला-महानगर की संयुक्त भव्य तिरंगा यात्रा आयोजित होगी। 13 से 15 अगस्त तक प्रत्येक घर, दुकान, कार्यालय और प्रतिष्ठान पर तिरंगा फहराया जाएगा। 12 से 14 अगस्त तक शहीद स्मारकों और स्वतंत्रता सेनानियों के स्मृति स्थलों पर स्वच्छता अभियान- पुष्पांजलि होंगे। 14 अगस्त को गोकुल में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर मौन जुलूस और संगोष्ठी होगी। जिला मीडिया प्रभारी श्याम चतुर्वेदी ने बताया कि छह अगस्त को सभी मंडलों में योजना बैठकें आयोजित कर तिरंगा यात्राओं के रूट, समय और जिम्मेदार कार्यकर्ताओं का निर्धारण किया जाएगा।

इलाज का कवच, लोगों की पहुंच से दूर आयुष्मान मंदिर

यूनिक समय, मथुरा। सरकार की महत्वाकांक्षी आयुष्मान आरोग्य मंदिर योजना लोगों को उनके घर के पास बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए है,लेकिन जिले में कई स्थानों पर यह योजना लोगों तक पूरी तरह नहीं पहुंच पा रही है। हालत यह है कि कई मोहल्लों के निवासियों को यह तक पता नहीं कि उनके क्षेत्र में आयुष्मान आरोग्य मंदिर कहां पर है। वहीं कई केंद्रों पर स्टाफ की कमी के कारण नियमित रूप से सेवाएं भी प्रभावित हो रही हैं।

जिले में 15 शहरी और 128 उप स्वास्थ्य केंद्र संचालित

कई इलाकों के लोगों को नहीं पता कहां है अस्पताल

स्टाफ की कमी से भी प्रभावित हो रही सेवाएं

जिले में वर्तमान में लगभग 128 आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केंद्र संचालित हैं। इनमें 27 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्तर के हैं, जहां डॉक्टर मरीजों की जांच कर उपचार करते हैं। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य केंद्रों पर एएनएम और सीएचओ मरीजों की जांच कर आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराते हैं। शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर की नोडल अधिकारी फौजिया ने बताया कि जिले में 15 शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर संचालित हैं। इनमें 14 केंद्र मथुरा शहर और एक केंद्र कोसीकलां में है। उन्होंने कहा कि कई केंद्रों पर स्टाफ की कमी है। कुछ स्थानों पर केवल एक कर्मचारी की तैनाती है। यदि उसकी किसी अन्य कार्य में ड्यूटी लग जाती है तो संबंधित केंद्र अस्थायी रूप से बंद करना पड़ता है, जिससे मरीजों को परेशानी होती है।

योजना से जुड़े अधिकारियों का कहना है अधिकांश स्वास्थ्य केंद्रों से प्रतिदिन ऑनलाइन रिपोर्टिंग की जाती है और नियमित ओपीडी भी होती है। मरीजों को सामान्य बीमारियों का उपचार और आवश्यक दवाएं दी जाती हैं। हालांकि, शहर के भैंस बहोरा सहित कई इलाकों में रहने वाले लोगों का कहना है कि उन्हें अपने क्षेत्र के आयुष्मान आरोग्य मंदिर की जानकारी ही नहीं है। भैंस बहोरा के स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले वर्ष चौराहे के पास केंद्र बनाए जाने की जानकारी मिली थी, लेकिन वहां कभी कोई स्टाफ नहीं दिखाई दिया और न ही केंद्र खुलता नजर आया।

लोगों का यह भी कहना है कि जिस भवन में केंद्र संचालित होने की बात कही गई थी, वह एक समाज की संपत्ति बताते थे। स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत बनाने के लिए शुरू की गई इस योजना का पूरा लाभ तभी मिलेगा, जब सभी केंद्र रोजाना समय से खुल सकें। पर्याप्त स्टाफ उपलब्ध हो और लोगों को उनके नजदीकी आयुष्मान आरोग्य मंदिर की सही जानकारी भी मिले।